भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वितीया संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 52 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

25 अगस्त 2025 सोमवार

आज का मौसम

28 अधिकतम

25 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

दिग्गी का दावा-सिंधिया और नाथ के बीच उन्होंने एक उद्योगपति के जरिए कराई थी सुलह?

प्रदेश के दिग्गज कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने यह मान लिया है कि 2018 में बनी कांग्रेस की सरकार के पंद्रह महीनों में पतन की वजह कमलनाथ थे। सिंह ने दावा किया कि कमलनाथ और ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीच वैचारिक लड़ाई नहीं थी बल्कि पर्सनालिटी का टकराव था। उधर कमलनाथ ने इस कथन पर पलटवार करते हुए कहा है कि सरकार उनके कारण नहीं बल्कि ज्योतिरादित्य सिंधिया की महत्वाकांक्षाओं तथा इस नाराजगी के चलते गिरी थी कि सरकार वह (कमलनाथ) नहीं दिग्विजय सिंह चला रहे हैं। कांग्रेस के अंदरूनी जख्म एक निजी चैनल के पॉडकास्ट में पत्रकार मिलिंद खांडेकर के साथ बातचीत में सामने आए। पॉडकास्ट में दिग्विजय ने इस मुद्दे पर विस्तार से बात करके कई बातों का खुलासा किया। उन्होंने साफ किया - मैंने कभी नहीं कहा कि कमलनाथ की सरकार को खतरा नहीं है। मैंने तो यह कहा था कि दोनों के बीच इसी तरह लड़ाई चली तो मप्र की कांग्रेस सरकार निपट जाएगी। दिग्विजय ने दावा किया कि सिंधिया और कमलनाथ के बीच टकराव खत्म करने के लिए एक ऐसे मशहूर उद्योगपति से मदद मांगी थी, जिनके नाथ और सिंधिया दोनों से ही अच्छे संबंध थे। उस उद्योगपति ने दोनों को घर बुलाया। मुलाकात के दौरान वह खुद (दिग्विजय) भी थे। भोजन के दौरान चंबल और ग्वालियर से जुड़े विषय के अलावा ज्योतिरादित्य और खुद मुझ से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई, जिस पर नाथ सहमत भी हुए। तीनों ने सुलह के बिंदुओं पर दस्तखत भी किए। लेकिन नाथ बाद में इससे मुकर गए। दिग्गीराजा ने इन खुलासों के साथ यह भी कहा कि 2018 में बनी सरकार के 15 महीनों में पतन ही नहीं बल्कि 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के लिए भी कमलनाथ ही जिम्मेदार थे। सिंह ने कहा कि उन पर हार का दोष कैसे मढ़ा जा सकता है,जबकि रणनीति बनाने से लेकर टिकट बांटने में नाथ की ही भूमिका थी। उन्होंने ही प्रत्याशियों को टिकट दिए, बी फार्म पर दस्तखत भी उनके ही थे। हालांकि दिग्गीराजा ने यह माना कि नाथ की मदद के चलते वे 1993 में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बने और दस साल तक प्रदेश की कमान संभाली। लेकिन यह भी कहा कि 2003 में कांग्रेस की करारी हार की जिम्मेदारी जिस तरह उन्होंने (दिग्गीराजा) अपने सिर पर ली थी, उसी तरह कमलनाथ को भी दूसरों को जिम्मेदार ठहराने के बजाए 2018 में कांग्रेस सरकार के पतन और 2023 की करारी हार की जिम्मेदारी अपने सिर लेनी चाहिए थी।

दिग्विजय के पॉडकास्ट का पोस्टमार्टम पार्ट-1

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

गडकरी ने की नाथ की तारीफ सिंह ने खोल दी कलई

दिग्विजय सिंह के इस इंटरव्यू से हुए खुलासे और उसके बाद कांग्रेस की अंर्तकलहों ने फिर से तूल उस वक्त पकड़ा जब केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने जबलपुर में सात किलोमीटर लंबे एलीवेटेड रोड के लिए कमलनाथ की खुलकर तारीफ की। गौरतलब है कि गडकरी ने शनिवार को ही जबलपुर में कहा था कि इस रोड के लिए राज्य सरकार की मदद की दरकार थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ से गडकरी ने कहा कि केंद्र सरकार सीधे इसके लिए पैसे नहीं दे सकती लेकिन यदि केंद्र से मिले सीआरएफ (केंद्रीय रिजर्व फंड) से नाथ 1200 करोड़ दे देंगे तो यह एलीवेटेड रोड या फ्लायओवर बन जाएगा। इसके बदले मप्र सरकार को राष्ट्रीय राजमार्ग के फंड से दोगुनी रकम जारी करा देंगे। गडकरी ने उनकी बात मानने के लिए सार्वजनिक रूप से कमलनाथ का शुक्रिया अदा किया। नाथ ने भी धन्यवाद देते हुए तंज कसा कि काश गडकरी की तरह भाजपा के अन्य केंद्रीय मंत्री और राज्य सरकार के मुख्यमंत्री या मंत्री उनके कार्यकाल में हुए कामों का श्रेय देते। नाथ ने दावा किया कि इंदौर,भोपाल में मेट्रो तथा उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर परिसर के आसपास विकसित महालोक के लिए उन्होंने ही धनराशि मंजूर की लेकिन उसका श्रेय उन्हें नहीं मिला। लेकिन नाथ की यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिक सकी और पुरानी परतें उधड़ने लगीं।

नाथ और दिग्विजय के दावों से हटकर सच कुछ और है...

कमलनाथ ने दिग्गी के दावों को खारिज करते हुए कहा कि सरकार उनके कारण नहीं बल्कि इस कारण गिरी क्योंकि सिंधिया को लगा कि उनकी (कमलनाथ) सरकार दिग्गीराजा चला रहे हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं भी इसकी वजह थीं जिसके चलते उन्होंने कांग्रेस की सरकार को तोड़ा। गुना प्रवास के दौरान सिंधिया ने नाथ सरकार के पतन को लेकर हुए सवाल को यह कहकर टाला कि अतीत की बातों पर चर्चा का कोई मतलब नहीं। सिंधिया ने इस विवाद से किनारा भले किया हो, लेकिन हकीकत तो यही है कि ज्योतिरादित्य इस बात को लेकर खासे नाखुश थे कि दोनों (नाथ-दिग्विजय) मिलकर सरकार चला रहे हैं तथा उनको और उनके समर्थकों को लगातार दरकिनार किया जा रहा है। वो यह भी जान गए थे कि इन दोनों के चलते उनके समर्थकों का कांग्रेस में कोई भविष्य नहीं है। दोनों मिलकर उन्हें बर्बाद कर देंगे। सिंधिया ने आधिकारिक तौर पर तो कुछ नहीं कहा लेकिन प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रमुख आशीष अग्रवाल ने एक्स के जरिए नाथ सरकार के पतन की सारी पोल खोलकर रख दी है। अग्रवाल के मुताबिक यह बात जगजाहिर हो गई कि नाथ की सरकार मिस्टर बंटाढार चला रहे थे। सरकार पर माफियाओं और भ्रष्टाचारियों का शिकंजा था, जिससे मप्र को मुक्ति दिलाने सिंधिया ने यह कदम उठाकर विकासोन्मुखी सरकार बनाई। 114 सीटें पाने वाली कांग्रेस चार निर्दलियों, दो बसपाई तथा एक सपा विधायक के समर्थन से बनी थी। सिंधिया के साथ 22 विधायकों ने भाजपा का दामन थाम लिया था। दिग्विजय सिंह ने अपनी दस साल की सरकार के कार्यकाल और उसके बाद करारी हार की वजहें भी बताईं। लेकिन उसकी हकीकत क्या थी, इसे वे बेहद चतुराई से छुपा गए। इस पर इसी कॉलम 'प्रसंगवश' की दूसरी किश्त में बात करेंगे। साथ ही दिग्विजय सिंह के मप्र की मौजूदा मोहन यादव और केंद्र की मोदी सरकार पर विचार की भी चर्चा होगी। राहुल गांधी के बारे में की गई टिप्पणियों और अपने छोटे भाई लक्ष्मण सिंह के कांग्रेस से निष्कासन के सवाल पर उन्होंने जो कहा, उसका पोस्टमार्टम अगली किश्त में करने की कोशिश होगी।

जारी....

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने सीएम यादव संग दी कई सौगातें

मप्र में दो नए मेडिकल कॉलेज, 4 के लिए अनुबंध, डिजिटल नवाचार भी

जबलपुर, दोपहर मेट्रो।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा आज दो दिनी दिवसीय प्रवास पर जबलपुर पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उनकी अगवानी की। नड्डा ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस सांस्कृतिक सूचना केंद्र से मप्र की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नई पहल की शुरूआत कर रहे हैं। इसके तहत मातृ-शिशु सुरक्षा को सुदृढ़ करने वाली योजनाएं और डिजिटल नवाचार के रूप में सखी चैटबॉट, आयुष्मान कार्डधारकों की सुविधा के लिए स्मार्ट चैटबॉट की शुरुआत के अलावा श्योपुर और सिंगरौली में नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों का वचुर्अल लोकार्पण भी शामिल है। इसके अलावा धार, बैतूल, पन्ना, कटनी जिलों में पीपीपी पर मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए अनुबंध भी किये जा रहे हैं। यह पीपीपी मॉडल पर आधारित हैं। इस मौके पर इस मौके पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए 8 लाख वय वंदना कार्ड वितरण भी शुरू हुआ। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल भी मौजूद रहे। अपरांह बाद भाजपा संभागीय कार्यालय में पहुंचकर नड्डा कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर बैठक भी करेंगे और शाम को गौरीघाट में महाआरती में भी शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि तीन दिन में यह जबलपुर में दूसरा बडा कार्यक्रम है। इससे पहले केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने यहां सबसे बडे फ्लाईओवर समेत कई सड़क परियोजनाओं की कई सौगातें दीं। जबलपुर के दामाद भी- गौरतलब है कि नड्डा का जबलपुर में ससुराल भी है। उनकी पत्नी मल्लिका मायका यहां है। मल्लिका जबलपुर के पुराने जनसंघ के परिवार की बेटी हैं। उनकी मां जयश्री बनर्जी जबलपुर से सांसद और विधायक रह चुकी हैं। जेपी नड्डा जब भी जबलपुर आते है,तो ससुराल में जरूर रूकते हैं।

जबलपुर पहुंचकर नड्डा का स्वागत

शाह बोले-विपक्ष जेल से सरकार चलाना चाहता है

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने संविधान के 130वें संशोधन को लेकर विपक्षी दलों के तीखे रुख को गलत बताया है और कहा है कि विपक्ष जेल से सरकार चलाना चाहता है। शाह ने एनएनआई से बातचीत में यह बात कही है। इसमें उन्होंने हाल ही में संसद में लाए गए तीनों बिलों को लेकर कहा कि यह लोग (विपक्ष) आज भी ये कोशिश कर रहे हैं कि अगर कभी जेल गए तो जेल से ही आसानी से सरकार बना लेंगे। जेल को ही सीएम हाउस, पीएम हाउस बना देंगे और डीजीपी, मुख्य सचिव, कैबिनेट सचिव या गृह सचिव जेल से ही आदेश लेंगे। शाह ने सवाल उठाते हुए कहा कि लालू यादव को बचाने के लिए मनमोहन सिंह द्वारा लाए गए अध्यादेश को फाड़ने का राहुल गांधी का क्या औचित्य था? अगर उस दिन नैतिकता थी तो क्या आज नहीं है, क्योंकि आप लगातार तीन चुनाव हार चुके हैं? शाह ने प्रस्तावित कानून पर कहा कि जो व्यक्ति पद पर है, क्या उसके अलावा देश चलेगा ही नहीं? जिस दल का बहुमत है, उसका कोई अन्य व्यक्ति शासन चलाए तथा जब उस नेता की बेल हो जाए तो फिर पद संभाल लीजिए। शाह ने कहा कि आज देश में एनडीए गठबंधन के मुख्यमंत्री ज्यादा हैं। प्रधानमंत्री भी एनडीए से हैं। ऐसे में इस विधेयक से सिर्फ विपक्ष पर ही सवाल खड़े नहीं होते बल्कि हमारे मुख्यमंत्रियों पर भी सवाल उठेंगे। अगर फर्जी मामला है तो देश के उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट आंखें बंद करके नहीं बैठे हुए हैं, वे जमानत दे सकते हैं। कांग्रेस सरकार में भी ऐसा प्रावधान था कि अगर सत्र अदालत ने किसी को दो साल जेल की सजा सुनाई है तो उस सदस्य की सदस्यता अपने आप चली जाती थी। शाह ने इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी के मामले में कहा कि उन्होंने सलवा जुडूम को खारिज कर दिया और आदिवासियों के आत्मरक्षा के अधिकार को खत्म कर दिया। इसी वजह से इस देश में नक्सलवाद दो दशकों से ज्यादा समय तक चला। मेरा मानना है कि विपक्ष द्वारा सुदर्शन रेड्डी को चुनने का मानदंड वामपंथी विचारधारा ही रही होगी।

सीएम का अब दिल्ली 'गृहप्रवेश' जल्द, नया पता-14 अशोका रोड

लुटियंस में मिला बड़ा बंगला, पहले यहां रहती थीं मेनका

आशीष दुबे, भोपाल

मप्र सरकार का 'विस्तार' दिल्ली में होता जा रहा है, अब दिल्ली के लुटियंस जोन में मुख्यमंत्री मोहन यादव की आमद होने वाली है। वे इस इलाके के नए बाशिंदे होंगे। केंद्र सरकार ने उन्हें अशोक रोड पर कोठी आवंटित की है तथा सीएम इसमें संभवतः 28 अगस्त को बकायदा 'गृहप्रवेश' करेंगे। खास बात यह है कि अशोका रोड की यह कोठी पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी के पास करीब पैंतीस साल रही है। उनके खाली करने के बाद यह कोठी मप्र सरकार को अलॉट की गई है।

जानकार सूत्रों का कहना है कि पिछले कई दिनों से अशोका रोड की 14 नंबर कोठी को मुख्यमंत्री की जरूरतों के हिसाब से तैयार करने का काम अब पूरा हो गया है। हाल में दिल्ली प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री यादव ने इस कोठी में जाकर कामकाज का जायजा लिया था। 'गृहप्रवेश' के बाद वे मप्र भवन में ठहरने की बजाए प्रवास के दौरान यहीं रुकेंगे। यहां उनके कार्यालय व स्टाफ आदि के लिये प्रबंध किए गए हैं। जानकारों का कहना है कि मप्र सरकार ने टाइप-8 श्रेणी की इस कोठी के लिए पूर्व से आवंटित दो बंगले सरेंडर भी किए हैं। दरअसल, दिल्ली में हर राज्य की सरकार को दो-तीन सरकारी बंगले और कुछ क्वार्टर दिये जाते हैं जो राज्य के अफसरों व कर्मचारियों की आवास जरूरत पूरी करते हैं। इसके अलावा हर राज्य के भवन(गेस्टहाउस) होते हैं जो विधायकों मंत्रियों या अफसरों के प्रवास के दौरान रुकने के काम आते हैं। दिल्ली में मप्र सरकार के पास अभी दो बड़े भवन हैं। एक दो वर्ष पहले चाणक्यपुरी में तैयार हुआ है और दूसरा मध्यांचल भवन एयरपोर्ट के करीब दो दशक से है।

हर राज्य की दावेदारी, योगी को दो-दो बंगले

उल्लेखनीय है कि लुटियंस को दिल्ली का पावर कॉरिडोर कहा जाता है। यहां रहना प्रतिष्ठा व रसूख की बात मानी जाती है। बताया जाता है कि इसी इलाके में केंद्र सरकार ने उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी कोठी आवंटित की है, लेकिन उप्र सरकार की जरूरतों को देखते हुए यहां दो कोठियों को मिलाकर एक बनाया गया है। बहरहाल, मप्र के मुख्यमंत्री के प्रवेश के लिए काफी दिनों से मुहूर्त देखा जा रहा है, अब कहा जा रहा है कि वे गणेश चतुर्थी के अगले दिन यानी ऋषि पंचमी पर 'गृहप्रवेश'कर सकते हैं।

दिल्ली मेट्रो का किराया बढ़ा

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने मेट्रो के किराए में बढ़ोतरी की है। एक से 4 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई है। वहीं एयरपोर्ट लाइन पर किराए में अधिकतम 5 रुपये तक की वृद्धि है। बढ़ा किराया आज से लागू हो गया है। अभी दिल्ली मेट्रो का न्यूनतम किराया दस रुपये और अधिकतम किराया 60 रुपये (सोमवार से शनिवार) है, जबकि रविवार व राष्ट्रीय अवकाशों पर अधिकतम किराया 50 रुपये है।

सीएम रेखा गुप्ता की जेड सुरक्षा वापस

नईदिल्ली, एजेंसी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को दी गई सिक्योरिटी आज से हटा ली गई है। चार दिन पहले उन पर हमले के बाद यह सिक्योरिटी दी गई थी। यह फैसला वापस क्यों लिया गया, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। खबरों के मुताबिक अब फिर से उनकी सुरक्षा की जिम्मेदार दिल्ली पुलिस को सौंपी गई है। इधर,सीएम पर हमले के मामले में दूसरी गिरफ्तारी भी हुई है। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी राजेशभाई खीमजीभाई सकरिया के सहयोगी तहसीन सैयद को अरेस्ट किया गया है। उसे पहले 22 अगस्त को गुजरात के राजकोट से हिरासत में लिया गया था। उससे पूछताछ की गई। राजेश 5 दिन की पुलिस रिमांड पर है। दिल्ली सीएम आवास में 20 अगस्त की सुबह जनसुनवाई के दौरान रेखा गुप्ता पर हमला हुआ था।

चंबल में बरसात से बिगड़े हालात

भोपाल, एजेंसी

मध्यप्रदेश में भारी बारिश के चलते भिंड, मुरैना, दतिया में बाढ़ के हालात बन गये हैं। ग्वालियर में तो आज स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। मौसम विभाग ने भोपाल-उज्जैन, जबलपुर-सागर समेत कुल 22 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे के दौरान ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, नीमच, मंदसौर, सागर, दमोह, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, मंडला, डिंडौरी और बालाघाट में भारी बारिश होने का अनुमान है। इंदौर, भोपाल समेत अन्य जिलों में हल्की बारिश का दौर बना रहेगा।

मेट्रो एंकर | एस्ट्रोनॉट बने स्कूली बच्चों ने किया वेलकम

18 माह बाद अपने शहर पहुंचे शुभांशु का 20 किमी रोड शो

लखनऊ, एजेंसी

अंतरिक्ष यात्रा से लौटे भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने आज अपने होमटाउन लखनऊ में आमद दी। वे अंतरिक्ष से लौटने के बाद पहली बार लखनऊ पहुंचे। उनकी पत्नी कामना और 6 साल का बेटा किआंश भी साथ रहा। एयरपोर्ट पर एस्ट्रोनॉट बनकर पहुंचे स्कूली बच्चों ने उनका वेलकम किया। एयरपोर्ट पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने शुभांशु को रिसीव किया। शुभांशु का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर हजारों लोग तिरंगा लेकर पहुंचे थे। पूरा एयरपोर्ट ढोल-नगाड़ों और भारत माता की जय के नारों से गूंजता रहा। एयरपोर्ट से वे थार जीप पर सवार हुए तथा 10 किमी चलने के बाद

थार से उतरकर रथ में सवार हो गए। फिर रोड शो करते हुए सिटी मॉन्टेसरी स्कूल पहुंचे। यहीं से उन्होंने पढ़ाई की है। इस दौरान जगह-जगह उनका स्वागत हुआ। एयरपोर्ट से स्कूल की दूरी 20 किमी है। आज दोपहर में शुभांशु सीएम योगी से भी मिलेंगे। स्कूल से वे लोकभवन पहुंचें हैं, जहां उप्र सरकार ने उनके सम्मान में कार्यक्रम रखा है। मिशन के तहत 20 दिन तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर रहने के बाद 15 जुलाई को धरती पर लौटे थे। इसके बाद 17 अगस्त को भारत पहुंचे और 18 अगस्त को पीएम मोदी ने उनसे मुलाकात की थी। शुभांशु लखनऊ के रहने वाले हैं और खास बात यह कि वे करीब 18 महीने बाद वह अपने शहर पहुंचे हैं। उनके पिता शंभुदयाल और मां आशा शुक्ला यहीं रहते हैं। शुभांशु के पहुंचने से पहले उनके घर की गलियों का रेनोवेशन कराया गया। शुभांशु भारतीय वायुसेना के फाइटर विंग में शामिल हैं और उनके पास 2,000 घंटे से अधिक का फ्लाइंग एक्सपीरियंस है। उन्होंने सुखोई-30 मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक और डोर्नियर जैसे लड़ाकू विमानों को उड़ाया है। वे एक फाइटर कॉम्बैट लीडर भी हैं। 2019 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने उन्हें पहले मानव अंतरिक्ष मिशन, गगनयान के लिए 4 अंतरिक्ष यात्रियों में से एक के रूप में चुना।

छुट्टी का आनंद : बड़ी संख्या में लोग शहर के पिकनिक स्पॉट्स पर पहुंचे

भोपाल। राजधानी भोपाल में रविवार का दिन सुहाने मौसम के नाम रहा। सुबह से ही छाए बादलों और हल्की ठंडी हवाओं ने मौसम को खुशनुमा बना दिया। छुट्टी के दिन का भरपूर आनंद उठाने के लिए बड़ी संख्या में लोग शहर के पिकनिक स्पॉट्स पर पहुंचे। भदभदा रोड और सैर-सपाटा पर परिवारों की भीड़ रही। बच्चे झूले-फिसलपट्टी का आनंद लेते दिखे तो वहीं युवा और परिवारजन नैसर्गिक खूबसूरती के बीच मौसम का लुत्फ उठाते नजर आए। हरियाली और हल्की फुहारों ने नजारे को और भी आकर्षक बना दिया। सैर-सपाटा पर बच्चों ने जहां झूले झूलकर दिन को यादगार बनाया, वहीं बड़े-बुजुर्ग और महिलाएं परिवार के साथ ठंडी हवा और झील के किनारे बैठकर गपशप करती रहीं। कई लोगों ने नाव की सवारी का आनंद भी लिया। रविवार की छुट्टी और खुशनुमा मौसम के चलते भदभदा रोड से लेकर सैर-सपाटा तक रौनक छाई रही। दुकानों पर भी लोगों की भीड़ रही और चाट-पकौड़ी जैसे व्यंजनों का स्वाद भी मौसम के आनंद में चार चांद लगाता रहा।

पहली बैठक में हाईकमान ने दी समझाइश

कांग्रेस जिलाध्यक्षों का दस दिनी प्रशिक्षण शिविर जल्द लगेगा

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मप्र कांग्रेस ने नवागत जिला अध्यक्षों की पहली कार्यशाला में %हाईकमान% ने साफ कर दिया है कि जिलाध्यक्षों की तैनाती कार्यकर्ताओं की पसंद के मुताबिक हुई है। यदि अब काम में कोई कोताही होगी तो इसकी प्रतिकूल असर भी जिलाध्यक्षों पर हो सकता है। बैठक में यह भी तय हुआ कि अब कांग्रेस जिला अध्यक्षों की अगली ट्रेनिंग मप्र में करीब दस दिन की होगी इस आवासीय प्रशिक्षण में राहुल गांधी भी एक दिन शामिल होने आएंगे। इसकी जल्द ही तारीख और स्थान तय होगा।

जानकार सूत्रों के मुताबिक गत दिवस दिल्ली में जो वर्कशाप हुई है उसका मकसद यह था कि पार्टी नये पदाधिकारियों को अपना विजन बता सके। इसमें राहुल गांधी व अध्यक्ष खरगे समेत संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, बीके हरिप्रसाद, शशिकांत सेंथिल, राव, व सुप्रिया श्रीनेत ने जिलाध्यक्षों को संबोधित किया। बताया जाता है कि वर्कशॉप में जिला अध्यक्षों को 30 दिन का पहला टफ टास्क दिया गया है। पूर्व आईएएस सेंथिल ने प्रजेंटेशन के जरिए बताया कि संगठन सृजन अभियान में एक पूरी प्रक्रिया के जरिए जिला अध्यक्षों का चयन किया गया है। अब आगे जिले की टीम और ब्लॉक से लेकर मंडलम्, सेक्टर और बूथ तक की टीम इसी प्रोसेस से बनाई जानी है। बताते हैं कि जब एक जिला अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के हर जिले में कार्यालय है तथा हमें भी हर जिले में जिला कांग्रेस कमेटी का ऑफिस बनाना चाहिए भले ही किराए पर भवन लेकर यह काम करें। इस पर राहुल गांधी ने कहा दस दिन में में सभी जिला अध्यक्ष अपने-अपने जिले में डीसीसी ऑफिस शुरू करें। उन्होंने कहा कि जिला अध्यक्ष हमारे संगठन का सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति होगा। एआईसीसी से लेकर पीसीसी और डीसीसी तक एक कनेक्ट सेंटर से आपस में सब जुड़े रहेंगे। जिला अध्यक्ष की भूमिका लोकल बॉडी इलेक्शन से लेकर विधानसभा और लोकसभा चुनाव के प्रत्याशी चयन में अहम होगी।

संगठन को गतिशील बनाने के निर्देश

बैठक में राहुल गांधी ने जिला अध्यक्षों से कहा- आप लोग संगठन की फिक्र करें। बाकी आपकी चिंता हम करेंगे। एआईसीसी और पीसीसी से जारी कार्यक्रमों में सहभागिता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने किसी को जिलाध्यक्ष नहीं बनाया है बल्कि ऑब्जर्वर की सर्वे रिपोर्ट में जो मजबूत नेता सामने आया उसे बनाया गया। अलबत्ता मैंने जिन लोगों से जिला अध्यक्ष बनने को लेकर चर्चा की थी उनसे कहा था कि आपको बहुत बड़ा अवसर मिल रहा है। तब जिन लोगों ने असमर्थता बताई, उन्होंने बड़ा मौका गंवा दिया।

कोलांस से उम्मीद, राजधानी के आसपास के बांधों को भी पानी की दरकार

बारिश भरपूर, लेकिन बड़ा तालाब अभी तक *फुल* होने से दो फीट दूर

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी की लाइफ लाइन यानी बड़ा तालाब को अब बारिश के मौजूदा दौर से बहुत उम्मीद है। यह तालाब अब सिर्फ 2 फीट ही खाली है। इतना पानी आते ही बड़ा तालाब छलक उठेगा। इसका जलस्तर 1664.65 फीट के आसपास है। हालांकि बारिश की रफ्तार बहुत तेज नहीं है। उधर केरवा, कलियासोत और कोलार डैम में भी पानी का लेवल बढ़ा है।

बड़ा तालाब में पानी बढ़ने के साथ ही सैलानियों की रौनक भी बढ़ गई है। बड़ी संख्या में सैलानी बोट क्लब पर घूमने पहुंच रहे हैं। कइयों ने बोटिंग का लुत्फ भी उठाया। देर रात तक भीड़ लगी रही। पिछले कुछ दिनों से सीहोर जिले में तेज बारिश हो रही है। इस वजह से कोलांस नदी उफान पर रही और यह पानी सीधे बड़ा तालाब में पहुंचा। इस वजह से बड़ा तालाब में पानी का लेवल बढ़ रहा है। बड़ा तालाब के साथ कोलार, केरवा और कलियासोत डैम में भी पानी की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, ये सभी पिछले

साल जुलाई में ही भर गए थे, लेकिन इस बार अगस्त सूखा रहा। ज्यादा बारिश नहीं होने की वजह से भदभदा, केरवा, कलियासोत और कोलार डैम के गेट नहीं खुल सके। कोलांस नदी जब उफान पर रहती है तो बड़ा तालाब में पानी जमा होता है। जब बड़ा तालाब पूरा भर जाता है तो भदभदा डैम के गेट खोले जाते हैं। यह पानी सीधे कलियासोत डैम में पहुंचता है। जिससे इस डैम का लेवल भी बढ़ जाता है और फिर इसके गेट भी खुल जाते हैं।

उल्लेखनीय है कि बडे तालाब को शहर की लाइफ लाइन इसलिये कहा जाता है ?क्योंकि यह लोगों के जलापूर्ति करता है। बड़ा तालाब से हर दिन पुराने शहर समेत बैरागढ़ (संत हिरदाराम नगर) समेत आसपास के इलाकों की 3 लाख से ज्यादा आबादी को पानी की सप्लाई की जाती है। 20त्न से ज्यादा इलाकों में पानी पहुंचता है। बड़ा तालाब से हर रोज 25 स्क्वष्ठ (मिलियन गेलन पानी प्रतिदिन) सप्लाई होता है। इसकी कुल जलभराव क्षमता 1666.80 फीट है। हालांकि पहले बडे तालाब पर आबादी की पानी की जरूरतों को पूरा करने का दबाव ज्यादा था लेकिन नर्मदा आने से यह दबाव कम हुआ है।

बांधों में पानी लेकिन..

केरवा डैम: कुल 1673 फीट वाले केरवा डैम में अब तक 1664.50 फीट पानी आ चुका है। तेज बारिश होने के बाद डैम में पानी का लेवल बढ़ जाएगा।

कलियासोत डैम: डैम का अभी वाटर लेवल 1648.85 फीट है। इसकी कुल जलभराव क्षमता 1659.02 फीट है। इसके चलते डैम अभी भी करीब 10 फीट खाली है। बड़ा तालाब के गेट खुलने पर कलियासोत डैम में पानी आएगा और गेट खुल जाएंगे।

कोलार डैम: इसका वाटर लेवल 1516.50 फीट है। अभी इसमें 1501. फीट पानी जमा है। इस हिसाब से यह काफी खाली है। कोलार डैम से ही भोपाल शहर के 40त्न हिस्से में पानी की सप्लाई की जाती है। पिछली बार जुलाई में इसके गेट खोलने पड़े थे।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स विवि को एनसीवीईटी से अवॉर्डिंग बॉडी की मान्यता

भोपाल। मध्य भारत की पहली स्किल्स विश्वविद्यालय, स्कोप ग्लोबल स्किल्स (एसजीएसयू) को भारत सरकार के नेशनल काउंसिल फॉर वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (एनसीवीईटी) द्वारा अवार्डिंग बॉडी के रूप में मान्यता दी गई है। एनसीवीईटी अप्रूव्ड अवॉर्डिंग बॉडी उद्योग जगत की आवश्यकता के अनुसार नए कोर्सेज एवं क्वालिफिकेशन्स डिजाइन कर सकती है और स्टूडेंट्स को उन क्वालिफिकेशन्स पर सर्टिफाई भी कर सकती है जिससे युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर आसानी से प्राप्त हो सकें। भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के तहत एनसीवीईटी देश में व्यावसायिक शिक्षा के मानकों को निर्धारित करने वाला शीर्ष निकाय है। एसजीएसयू के कुलाधिपति सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि यह यह कदम भारत की जनसांख्यिकीय शक्ति को सशक्त बनाने के हमारे प्रयासों को और मजबूत करेगा।

'जिंदगी और जोंक' का मंचन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

'जिंदगी और जोंक' अमरकांत की एक चर्चित कहानी है, जिसका मंचन एलबीटी में रंग विदूषक संस्था की ओर से किया गया। नाटक का लेखन राजेश जोशी ने किया। संगीत डॉ. अंजना पुरी और डिजाइन व निर्देशन बंसी कॉल का था। नाटक की कहानी भिखारी रजुआ की है, जिसे मोहल्ले के लोग खाने के बदले खूब काम करवाते हैं। एक लड़का, कथावाचक को सूचना देता है कि रजुआ मर गया और वह चिट्ठी रजुआ के घर भेज कर सूचित कर दे। पूरा मोहल्ला शोकाकुल हो जाता है, पर दो-चार दिन बाद रजुआ उपस्थित हो बताता है कि उसके सिर पर कौआ बैठ गया था। अपशकुन को टालने के लिए उसने झूठमूठ खबर फैलाई। यह कहते हुए रजुआ के मुख पर मौत की भीषण छाया नाच रही थी और वह जिंदगी से जोंक की तरह चिमटा था, लेकिन जोंक वह था या जिंदगी? वह जिंदगी का खून चूस रहा था या जिंदगी उसका?

शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और कठोर परिश्रम को जीवन में अपनाएं: डॉ. धीरेंद्र कुमार स्वामी

भोपाल। राजधानी के मुगालियाछाप स्थित शासकीय श्रमोदय आवासीय विद्यालय में वार्षिक छात्र अलंकरण समारोह 2025-26 बड़े उत्साह और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. धीरेंद्र कुमार स्वामी, निदेशक बीएनएस ग्रुप तथा राजेश तिवारी, प्रबंधक शारदा विहार आवासीय विद्यालय, भोपाल ने अपने प्रेरक उद्बोधन में विद्यार्थियों को शिक्षा साथ-साथ संस्कार, अनुशासन और कठोर परिश्रम को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। डॉ. स्वामी ने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व पर संदेश देते हुए कहा सच्ची संपत्ति धन नहीं, बल्कि शिक्षा है। क्योंकि यही जीवन भर आपका साथ निभाती है। समारोह के विशेष आकर्षण के रूप में चयनित विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि द्वारा बैचेस प्रदान कर अलंकृत किया गया तथा उन्हें अपने दायित्व के अनुमार विद्यालय के नियम एवं अनुशासन का पालन करते हुए स्वयं एवं सहपाठियों के व्यक्तित्व विकास एवं शैक्षिक उन्नयन की शपथ दिलाई गई।

श्रमोदय आवासीय विद्यालय में वार्षिक छात्र अलंकरण समारोह का हुआ आयोजन

बाल लीलाएं...

भोपाल। बावडिया के फर्स्ट स्टेप स्कूल में गत दिवस जन्माष्टमी उत्सव मनाया गया। इस मौके पर छोटे बच्चों ने राधा कृष्ण का वेश रखकर उनकी बाल लीलाओं को जीवंत किया। प्राचार्य रत्ना मिश्रा ने बताया कि बच्चों को परंपरा व पौराणिक महत्व से परिचित कराने के लिए ऐसे आयोजन किये जाते रहे हैं।

बीयू: खुशी ने बीएससी बायोटेक्नोलॉजी में प्राप्त किया दूसरा स्थान

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में खुशी सेतपलानी ने बीएससी बायोटेक्नोलॉजी में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया की तरफ से बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड मिला है। खुशी ईमानदार कुशल व्यवसायी मनीष सेतपालानी मोनू की बेटी है। मनीष बताते है की खुशी ने यह उपलब्धि स्वयं के बल पर ही हासिल की है। माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया यह एक राष्ट्रीय स्तर की संस्था है जो माइक्रोबायोलॉजी और लाइफ साइंस के क्षेत्र में पढ़ाई करने वाले छात्रों और वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करती है। यह अवार्ड उन स्टूडेंट्स को मिलता है जो पढ़ाई में अच्छे होते हैं, प्रैक्टिकल वर्क, वर्कशॉप्स, और रिसर्च में एक्टिव रहते हैं। खुशी कहती है कि मुझे यह अवार्ड इसलिए मिला क्योंकि मेरी पढ़ाई में परफॉर्मेंस अच्छी रही, मैंने इंटर्नशिप्स और रिसर्च में भी हिस्सा लिया। यह पूरे भारत में कुछ चुनिंदा छात्रों को ही मिलता है।

नशा मुक्ति संदेश के साथ दिखा महिला शक्ति का जोश

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी की सड़कों पर रविवार को महिला शक्ति का अनोखा कारवां देखने को मिला, जब बेगस ऑफ भोपाल और सेतु द ब्रिज की ओर से आगाज़-4 विमेंस हैरिटेज कार रैली का आयोजन हुआ। नशा मुक्ति और सामाजिक जागरूकता का संदेश देने वाली इस रैली की थीम इस बार ब्लू रखी गई, ताकि समाज में स्वच्छ और नशा-रहित जीवन की प्रेरणा दी जा सके। इस रैली में शहर और देश-विदेश से आईं 40 महिला प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। रैली में प्रतिभागियों को एक खास टास्क दिया गया था। उन्हें शहर की पांच वॉटर बॉडीज तक पहुंचकर उन्हें पहचानना था। इस दौरान महिलाओं ने बड़ा तालाब, ख़टलापुरा घाट, सारंग लेक, कलियासोत नदी और शाहपुरा लेक को पहचाना और वहां पहुंचे।फर्स्ट प्राइज खदीजा बेगम, सेकंड प्राइज वंदना जंगलवार व थर्ड प्राइज निकिता दिलौरी को मिला। कार डेकोरेशन कैटेगरी में नाजबिया, आंशिक सिंह और आकांक्षा इंदूरिया विजेता बनीं। वहीं बेस्ट ड्रेस नेविगेटर कैटेगरी में परमिला, अलविरा और ममता ने बाजी मारी। इस बार की रैली में सबसे कम उम्र की प्रतिभागी मलक यासिर और सबसे वरिष्ठ प्रतिभागी अमिता सिंह रहीं।

मेट्रो एंकर

रोज़गारोन्मुखी कौशल देने को लेकर तैयार रिश्ता योजना के पोस्टर का विमोचन किया

मानव संसाधन तैयार करने में बड़ी भूमिका निभाएगी योजना

भोपाल, दोहपर मेट्रो

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्रीइन्दर सिंह परमार ने कहा कि रिश्ता योजना न केवल युवाओं के कौशल को निखारने का माध्यम है, बल्कि प्रदेश एवं देश की अवसंरचना विकास यात्रा में उनके योगदान को सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास भी है। यह योजना, इंडस्ट्री रेडी दक्ष एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करेगी।

मंत्री परमार ने शुजालपुर स्थित मां शारदा सांदीपनि विद्यालय में, युवाओं को रोज़गारोन्मुखी कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से आरंभ किए गए रिश्ता (RISHTA : Recruiting Industries Supporting Holistic Training with Alignment) योजना के पोस्टर का विमोचन किया। रिश्ता योजना का पूरा नाम, रिक्रूटिंग इंडस्ट्रीज सपोर्टिंग हॉलिस्टिक ट्रेनिंग विथ एलाइनमेंट है। यह योजना, युवाओं को

रोज़गारोन्मुखी कौशल देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। रिश्ता योजना, एक उद्योग-आधारित कौशल विकास योजना है, जिसका उद्देश्य युवाओं को रोजगारपरक और व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। इसका मुख्य लक्ष्य उच्च शिक्षा प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित कर, उन्हें हाईवे कंस्ट्रक्शन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अवसर दिलाना है।

यह योजना

एसजीएसआईटीएस, इंदौर और PATH India Ltd के संयुक्त सहयोग से संचालित की जा रही है। इसके अंतर्गत सिविल इंजीनियरिंग छात्रों के लिए सर्वेइंग (Surveying) एवं , क्वॉलिटी एश्योरेंस/क्वॉलिटी कंट्रोल (Quality Assurance/Quality Control) (QA/QC) जैसे पाठ्यक्रम और मैकेनिकल इंजीनियरिंग छात्रों के लिए कंस्ट्रक्शन मैकेनिकल स्किल्स (Construction Mechanical Skills) पर केंद्रित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम की अवधि 225 घंटे (75 दिन) होगी और कक्षाएँ शाम के समय आयोजित की जाएँगी, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी इसमें सम्मिलित हो सकें। प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। साथ ही उन्हें उद्योग में इंटर्नशिप, प्रायोगिक अनुभव और 50त्न से अधिक प्लेसमेंट सहायता भी उपलब्ध होगी।

सत्यमेव जयते | मध्यप्रदेश शासन

NATIONAL HEALTH MISSION राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन | निरामयम आयुष्मान मध्यप्रदेश

सबके लिए सुलभ होतीं आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

श्योपुर, सिंगरौली में नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों का लोकार्पण

पीपीपी मॉडल पर धार, बैतूल, पन्ना एवं कटनी चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना हेतु अनुबंध हस्ताक्षर

8 लाख वय वंदना कार्ड वितरण

एवं

- स्मार्ट चैटबॉट 'आयुष्मान सखी' का शुभारंभ
- आशा संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ
- मातृ गर्भावस्था आहार प्रचार सामग्री एवं मातृ-शिशु सुरक्षा कार्ड का विमोचन
- स्वस्थ यकृत मिशन में 1 करोड़ स्क्रीनिंग की उपलब्धि

मुख्य अतिथि
जगत प्रकाश नड्डा
केन्द्रीय मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

25 अगस्त, 2025 | अपराह्न 2:30 बजे

नेताजी सुभाष चंद्र बोस सांस्कृतिक सूचना केन्द्र, घंटाघर, जबलपुर

स्वास्थ्य सेवाओं का सशक्तिकरण प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के प्रत्येक कोने तक उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें, हर जिले में मेडिकल कॉलेज हों, अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण के साथ पर्याप्त स्वास्थ्य अमला भी सुनिश्चित हो।

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

- उपचार की उच्च स्तरीय सुविधा और सभी विशेषज्ञ OPD/IPD सेवाएं
- जिला चिकित्सालयों का सुदृढ़ीकरण
- प्रदेश के युवाओं को मेडिकल की पढ़ाई प्राप्त करने का अवसर
- रोज़गार के नये अवसरों का सृजन

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश

D-11088/25

आकल्पन : म.प्र. माध्यम

सुविचार

'जो लोग इस बात से अनजान हैं कि वे अंधकार में चल रहे हैं, वे कभी भी प्रकाश की तलाश नहीं करेंगे।'

- ब्रूस ली

संपादकीय

बदलनी होगी आदत

इस समय देशभर में सड़कों-गलियों में खुला घूमने वाले कुत्तों इन दिनों एक विमर्श शुरू चुका है। हालांकि यह ऐसा विषय है जिस पर बरसों से बात होती रही है लेकिन हाल में उच्चतम न्यायालय के पहले और फिर दूसरे निर्देश के बाद यह सिलसिला तेज हुआ है। कोर्ट का हाल का दूसरा व ताजा निर्देश विवेकसम्मत और तार्किक है। निस्संदेह अदालत ने पशु प्रेमियों की संवेदनाओं का खयाल रखा है, लेकिन साथ यह भी स्पष्ट कर दिया है कि जन सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं होगा और कोई भी नागरिक सड़क पर कहीं भी कुत्तों को खाना भी नहीं खिलाएगा। यानि सार्वजनिक जगहों पर कुत्तों को खाना देना मना होगा। कोर्ट ने कहा कि इसके लिए अलग से डेडिकेटेड फीडिंग जोन बनाए जाएं। यह भी कहा गया है कि कुत्तों को पकड़ने से रोकने पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। दरअसल, दिल्ली समेत कई शहरों में कुत्तों के काटने की घटनाएं बढ़ गई हैं। इसे संज्ञान में लेकर अदालत ने उन्हें जल्द से जल्द सड़कों से हटा कर आश्रय स्थल भेजने का निर्देश दिया था। अदालत के इस फैसले को लेकर व्यापक स्तर पर चिंता जाहिर की गई कि क्या आवारा कुत्तों के प्रति थोड़ा नरम नहीं हुआ जा सकता है। मगर सवाल यह है कि इस पूरी समस्या के लिए कौन जिम्मेदार है? अगर संबंधित महकमों की ओर से पशु जन्म नियंत्रण नियमों को गंभीरता से लागू किया गया होता, तो न कुत्तों की संख्या बढ़ती और न ही उन्हें सड़कों से हटाने की नौबत आती। अब अपने निर्देश में शीर्ष अदालत ने कहा है कि हटाए गए कुत्तों का बंध्याकरण हो, टीकाकरण किया जाए और उन्हें उसी क्षेत्र में छोड़ दिया जाए, जहां से उन्हें हटाया गया था। हालांकि यह निर्देश आक्रामक व्यवहार वाले और संक्रमण के संदेह वाले कुत्तों पर लागू नहीं होगा। वैसे तो, हर सभ्यता में कुत्ते मनुष्य के साथ रहे हैं। वे इंसानों के अच्छे साथी भी साबित हुए। संवेदना के स्तर पर परस्पर जुड़ाव महसूस किया जा सकता है। कुत्ते आज लोगों के जीवन का हिस्सा हैं। मगर अब समय आ गया है कि हम उन कारणों की भी पड़ताल करें, जिनकी वजह से कुत्तों का व्यवहार आक्रामक हुआ। यदि इस पर व्यापक? विमर्श होता है तो निश्चित तौर पर कई चौंकाने वाले पहलू सामने आ सकते हैं। जानवरों पर भी आसपास हो रहे बदलावों का असर पड़ता है। जानवर अपेक्षाकृत जल्दी बदलाव को महसूस कर लेता है। इसलिये जानवरों का हिंसक होना समाज के लिए भी संकेत है कि वह कुछ इस तरह बदल रहा है कि आसपास के परिवेश में भी बदलाव होने लगे हैं और कुत्ते इस परिवेश का ही हिस्सा हैं। उधर कई राज्यों में इनकी बढ़ती संख्या भी चिंता का विषय है। मगर साफ तौर पर कहा जा सकता है कि यदि अगर संबंधित शहरी निकायों ने ध्यान दिया होता, तो अदालत सख्त कदम नहीं उठाती। हालांकि उसका कहना सही है कि यह समग्र समस्या स्थानीय अधिकारियों की निष्क्रियता का नतीजा है। यह सही है कि कुत्तों के प्रति करुणा दिखानी चाहिए, मनुष्य को संवेदनशील भी होना चाहिए, लेकिन कहीं भी उन्हें खाना खिलाने की आदत हमें बदलनी होगी। कहा जा सकता है कि शीर्ष अदालत का निर्देश व्यापक और सार्थक है। लेकिन यह एक ऐसा विषय है कि सभी आवश्यक व्यवस्था बनाना और इससे भी अधिक इसे आदत बनाना बहुत जरूरी है।

निशाना

रहे उसी पर ध्यान !

- कृष्णेन्द्र राय

जो मिला है काम ।
रहे उसी पर ध्यान ।।
इधर उधर भटकाने से ।
है गिरता सम्मान ।।
बन रहा समूह लगता ।
भ्रम का मायाजाल ।।
चेते ना अभी अगर ।
होगा बुरा हाल ।।
देखें अपना क्षेत्र ज़रा ।
कैसा पड़ा अकाल ।।
हर तरफ से आप पर ।
उठते हैं सवाल ।।
साथ साथ इस जोश के ।
होश को ठुकराया ।।
गुणा भाग ना कर जाए ।
पूरा ही सफाया ।।

आज का इतिहास

- 1351- सुल्तान फिरोजशाह तुग़लक़ तृतीय की ताजपोशी
- 1916 - टोटनबर्ग के युद्ध में रूस ने जर्मनी को पराजित किया।
- 1940 - लिथुआनिया, लातविया और एस्तोनिया सोवियत संघ में शामिल हुए।
- 1957 - भारतीय पोलो टीम ने विश्व कप जीता।
- 1963 - सोवियत संघ के नेता जोसेफ स्टालिन के सोलह विरोधियों को फाँसी पर चढ़ा दिया गया।
- 1975- भारत पोलो विश्व विजेता बना।
- 1977- सर एडमंड हिलेरी का सागर से हिमालय अभियान हल्दिया बंदरगाह से शुरू।
- 1980 - जिम्बाब्वे संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ।
- 1991 - बेलारूस सोवियत संघ से अलग होकर स्वतंत्र देश बना।
- 1997 - मासूमा, इब्तेकार ईरान की पहली महिला उपराष्ट्रपति नियुक्त।
- 2001 - लंदन में आस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर शेनवार्न टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 400 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले स्पिन गेंदबाज बने।
- 2003- मुंबई के गेटवे ऑफ़ इंडिया और मुंबी देवी मंदिर के पास हुए कार बम विस्फोट में 50 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई तथा 150 से अधिक घायल हो गए।
- 2008- मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2008-09 के लिए सरकारी स्कूलों के सभी छात्रों को बीमा करने का अनुरोधन किया।
- 2011 - श्रीलंका की सरकार ने देश में घोषित आपातकाल को 30 वर्ष बाद वापस लिया।
- 25 अगस्त को जन्मे व्यक्ति
- 1994 - विनेश फोगाट - भारतीय महिला पहलवान हैं।
- 1962 - राजीव कपूर - फ़िल्म अभिनेता, जो राज कपूर के पुत्र थे।
- 1888 - इनायतुल्लाह ख़ान मशरिक़ी - खाकसार आंदोलन के जनक और पाकिस्तान के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले व्यक्ति।
- 1953 - सुभाष सरकार - भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ राजनीतिज्ञों में से एक हैं।
- 1952 - विजयकान्त - भारतीय राज्य तमिलनाडु में सबसे पसंदीदा अभिनेता और राजनेताओं में से एक थे।
- 1945 - विवेक कुमार अग्निहोत्री - आई.ए.एस. अधिकारी, जो राज्य सभा के महासचिव रहे।

राहुल गांधी को 'चोर' के प्रिय नारे से कितना नफा नुकसान?

■ आलोक मेहता

राहुल गांधी ने बिहार में 'वोट चोर' के साथ प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग के खिलाफ एक घिनोना अभियान चलाया है। गरीब अशिक्षित लोगों की भीड़ इकट्ठा कर नक्सल माओवादियों की तरह चुनाव और लोकतंत्र के प्रति विद्रोह पैदा करने की कोशिश जैसा है। इसे कहने को अधिकार यात्रा÷ कहा गया है , लेकिन जिस राज्य में खुले आम बंदूकों के बल पर वोट और बूथ लूटने का पुराना इतिहास रहा हो , वहां वोटिंग मशीन , वोटर लिस्ट , सरकार , चुनाव आयोग , सी बी आई , पुलिस आदि पर भरोसा न करना कहाँ तक उचित है ? वैसे उन्हें मालूम नहीं है इसी % चोर % जैसे नारों से उनके कितने मुख्यमंत्री , केंद्रीय मंत्रीं खुद फंसे रहे हैं , लोगों को उनकी यादें अधिक खतरनाक साबित हो सकती हैं। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से कहा कि यदि मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों के सबूत हैं तो उन्हें 7 दिनों में हलफनामा जमा करें, अन्यथा माफ़ी मांगें। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी पर ÷डेटा मैनिपुलेशन÷ का आरोप लगाया और स्पष्ट किया कि वोटर लिस्ट और वोट डालने की प्रक्रिया अलग-अलग कानूनों के तहत संचालित होती है। इस बीच एक जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर हुई है , जिसमें आरोप लगाया गया कि कांग्रेस और राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की संवैधानिक स्वतंत्रता को कमजोर करने के लिए यह अभियान चलाया है।

वोटर इज किंग, इलेक्टेड मेन इज सर्वेंट ऑफ़ पब्लिक (मतदाता राजा है , चुने गए व्यक्ति सेवक हैं। लेकिन सारे चुनाव सुधारों और अदालती निर्णयों के बावजूद राजनीति में अपराधीकरण से मुक्ति नहीं मिलपाई है। राजनीति केअपराधीकरण का असली कारण यह है कि पहले पार्टियां और उनके नेता चुनावी सफलता के लिए कुछ दादा किस्म के दबंग अपराधियों का सहयोग लेते थे। धीरे धीरे दबंग लोगों को स्वयं सत्ता में आने का मोह हो गया। अधिकांश पार्टियों को यहमज़बूरी महसूस होने लगी। पराकाष्ठा यहाँ तक हो गई कि कांग्रेस के सत्ता काल में बिहार के एक बहुत विवादस्पद दबंग नेताको राज्य सभा के नामजद सदस्य की तरह भेज दिया कर दिया गया। अब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार संसद में पांच साल की सजा वाले मामलों में तीस दिन से अधिक जेल में रहने वाले पी एम् , सी एम् , मंत्री को तत्काल पद से हटने के प्रावधान का कानून लाई तो कांग्रेस और उनके साथी विरोधी दलों ने संसद में अशोभनीय हंगामा कर दिया। संयुक्त संसदीय समिति इस कानून को और ध्यान से विचार करके पास करने फिर संसद में लाएगी।

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने ने सितम्बर 2018 को एक फैसले में निर्देश दिया था कि दागी उम्मीदवार अपने आपराधिक रिकॉर्ड को प्रमुखता से सार्वजनिक करें , ताकि जनता को जानकारी रहे। राजनीतिक दल जिन दागियों को जिताऊ उम्मीदवार बताकर चुनाव मैदान में उतार देते हैं, उनके बचाव में वे न्याय शास्त्र के इस सिद्धांत की आड़ लेते हैं कि आरोपित जब तक न्यायालय से दोषी न करार दिया जाए, तब तक वह निर्दोष ही माना जाए। यह दलील उन मामलों में भी दी जाती है जिनमें उम्मीदवार के संगीन अपराध में लिप्त होने का आरोप होता है। अनेकानेक गंभीर मामलों में सबूतों के साथ

चार्जशीट होने पर तो नेता और पार्टियों को कोई शर्म महसूस होनी चाहिए। चुनाव आयोग ने तो बहुत पहले यही सिफारिश कांग्रेस राज के दौरान की थी कि चार्जशीट होने के बाद उम्मीदवार नहीं बन पाने का कानून बना दिया जाये , लेकिन ऐसी अनेक सिफारिशें सरकारों और संसदीय समितियों के समक्ष लटकी हुई हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सांसदों - मंत्रियों आदि पर विचाराधीन मामलों के लिए अलग से अदालतों के प्रावधान और फैसले का आग्रह भी किया , लेकिन अदालतों के पास पर्याप्त जज ही नहीं हैं।

जहाँ तक सरकारी खजाने से चोरी और भ्रष्टाचार के मामलों की बात है बिहार में राहुल गांधी जिन लालू यादव परिवार के कन्धों का सहारा ले रहे हैं , वे 'चारा चोर' के आरोपों वाले पशुपालन घोटाले में जेल की लम्बी सजा भुगते हैं और अब भी दामन बेदाग नहीं है। फिर कांग्रेस के इंदिरा राज से मनमोहन सिंह राज के दौरान अरबों रुपयों के भ्रष्टाचार के घोटालों की सूची लम्बी होती गई है। हिमाचल के एक कांग्रेसी मुख्यमंत्री रामलाल को 'लकड़ी चोर' के गंभीर आरोपों में हटाना पड़ा यानी जंगलों के पेड़ काटकर करोड़ों की लकड़ी के अवैध धंधे का मामला था। बचाव के लिए उसे राज्यपाल तक बनाया गया , जिसने आंध्र की चुनी हुई रमा राव की सरकार को ही बर्खास्त कर दिया जिसे राष्ट्रपति के हस्तक्षेप से पुनः मुख्यमंत्री बनाना पड़ा। कर्नाटक का तेलगी स्टाम्प पेपर घोटाला (2003) - अरबों रुपये का फर्जी स्टाम्प पेपर घोटाला , कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला (2010) , 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला (2008-11) , कोयला घोटाला (2012) की यादें ताजा हैं। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जिस तरह के शराब घोटाले में फंसे ऐसे आरोपों के मामले मध्य प्रदेश में कांग्रेस के अर्जुन सिंह और दिग्विजय सिंह तक पर रहे और अदालत पहुंचे थे। इन सबसे गंभीर कांग्रेस सरकार बचाने के लिए हुआ सांसद रिश्वत काण्ड में सहयोगी दलों के नेताओं की सजा का रिकॉर्ड भी है। इसलिए राहुल गांधी और कर्नाटक में तेलगी और वीरप्पन कांडों के समय सत्ता में रहे पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को असली राजनीतिक नफा नुक्सान समझ लेना चाहिए।

-लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

धराली के बाद थराली: असुरक्षित हो गया हिमालय पर रहना

■ जयसिंह रावत

उत्तरकाशी के धराली की आपदा में लाखों टन मलबे में दबे दर्जनों लोंगों की तलाश अभी जारी ही है कि चमोली के धराली में आसमानी आफत से भारी तबाही हो गयी। उत्तरकाशी में ही भागीरथी में बनी अस्थाई झील में जमा पानी को निकालने का प्रयास हो ही रहा था कि उसी उत्तरकाशी जिले की स्यानाचट्टी में बरसाती नाले द्वारा लाये गये मलबे यमुना नदी में एक एक विशाल झील जनजीवन के लिये नया खतरा पैदा कर दिया।हिमालयी क्षेत्र, विशेष रूप से उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख, प्राकृतिक आपदाओं जैसे बादल फटने, त्वरित बाढ़, और भूस्खलन की चपेट में है। हाल के वर्षों में इन आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। यह लेख वैज्ञानिक शोधों और हाल के उदाहरणों के आधार पर इन आपदाओं के कारणों, प्रभावों और संभावित समाधानों का विश्लेषण करता है।हिमालय पृथ्वी की सबसे युवा और भूगर्वीय रूप से अस्थिर पर्वत श्रृंखला है। इसकी खड़ी ढलानें, भूकंपीय गतिविधियां, और ग्लेशियरों की उपस्थिति इसे प्राकृतिक आपदाओं के लिए स्वाभाविक रूप से संवेदनशील बनाती हैं। बादल फटने की घटनाएं, जो अक्सर भारी बारिश और त्वरित बाढ़ का कारण बनती हैं, हिमालय की संकुचित वायु प्रवाह प्रणाली और उच्च नमी के कारण अधिक आम हैं।

वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, क्यूमोलोनिंबस बादल, जो 15 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचते हैं, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से नमी लेकर हिमालयी क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश करते हैं। उदाहरण के लिए, 2013 की केदारनाथ त्रासदी इसका एक स्पष्ट प्रमाण है। इस आपदा में मंदाकिनी और अलकनंदा नदियों में आई बाढ़ ने 6,000 लोगों की जान ले ली और हजारों लोग लापता हो गए। इसी तरह, 2025 में जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में मचैल माता यात्रा मार्ग पर बादल फटने से चसोती गांव में कम से कम 60 लोगों की मृत्यु हुई और सैकड़ों लोग लापता हो गए। इस आपदा ने स्थानीय बाजार, सामुदायिक रसोई, और सरकारी इमारतों को पूरी तरह नष्ट कर दिया। उत्तराखंड के धराली में 5 अगस्त 2025 को बादल फटने और त्वरित बाढ़ ने कई घरों, दुकानों, और वाहनों को मलबे में दबा दिया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ढ्ढस्न्रह्र) की सैटेलाइट छवियों से पता चला कि इस आपदा ने नदी के मार्ग को बदल दिया और 20 हेक्टेयर क्षेत्र में मलबा जमा कर दिया। जलवायु परिवर्तन ने हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण पृथ्वी के औसत तापमान में 0.75 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है, जिससे हिमनद झीलों का तेजी से वाष्पीकरण और ग्लेशियरों का क्षरण हुआ है। यह प्रक्रिया बादल फटने की अनुकूल परिस्थितियां पैदा करती है, क्योंकि उच्च ऊंचाई वाली हिमनद झीलें बादलों के सीधे संपर्क में आती हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के आंकड़ों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में 2020 में 7, 2021 में 11, 2022 में 14, 2023 में 16, और 2024 में 15 बादल फटने की घटनाएं दर्ज की गईं। 2025 में अब तक 12 ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। उत्तराखंड में भी पिछले आठ वर्षों में 67 बड़ी बादल फटने की घटनाओं ने व्यापक तबाही मचाई है। इसके अलावा, ग्लेशियरों के पिघलने से हिमनद झील विस्फोट बाढ़ (तस्नस्न) का खतरा भी बढ़ गया है। उदाहरण के लिए, 2021 में चमोली जिले के रैणी गांव में ऋषिगंगा नदी में आई बाढ़, जो एक हिमनद झील के टूटने के कारण हुई, ने दो जलविद्युत परियोजनाओं को नष्ट कर दिया और 200 से अधिक लोग लापता हो गए। वैज्ञानिकों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालयी ग्लेशियर 2030 तक अपनी मात्रा का 30-50% खो सकते हैं, जिससे ऐसी आपदाओं का खतरा और बढ़ेगा।

मानवीय गतिविधियां, जैसे जंगलों की कटाई, अनियोजित निर्माण, और बांधों का निर्माण, हिमालयी क्षेत्र में आपदाओं की तीव्रता को बढ़ा रहे हैं। जंगलों की कटाई से मिट्टी की जल धारण क्षमता कम हो जाती है, जिससे बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ता है। उत्तरकाशी के धराली और हर्षिल गांवों में 5 अगस्त 2025 को हुई त्वरित बाढ़ ने 20 हेक्टेयर क्षेत्र में मलबा जमा कर दिया, जिसका कारण अनियंत्रित निर्माण और वन कटाई को माना जा रहा है। यमुना और भागीरथी नदियों में अस्थाई झीलों का निर्माण, जैसा कि उत्तरकाशी के स्यानाचट्टी और धराली में देखा गया, अनियोजित बुनियादी ढांचे के कारण मलबे के जमा होने से हुआ। ये झीलें न केवल जनजीवन के लिए खतरा पैदा करती हैं, बल्कि नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को भी बाधित करती हैं, जिससे बाढ़ का जोखिम बढ़ता है।इसके अलावा, जलविद्युत परियोजनाओं और सड़क निर्माण के लिए पहाड़ों की अंधाधुंध खुदाई ने भूस्खलन की घटनाओं को बढ़ावा दिया है। उदाहरण के लिए, बद्रीनाथ-माणा मार्ग पर बार-बार होने वाले भूस्खलन अनियोजित सड़क निर्माण का परिणाम हैं।

उत्तरकाशी, धराली (5 अगस्त 2025)ः इस क्षेत्र में बादल फटने और त्वरित बाढ़ ने कई घरों, दुकानों, और वाहनों को मलबे में दबा दिया। आपदा प्रबंधन टीमें अभी भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रही हैं। इस आपदा ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को गहरा झटका दिया, क्योंकि धराली और हर्षिल पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण केंद्र हैं। चमोली, थराली (22-23 अगस्त 2025): चमोली जिले के थराली तहसील में रात 1.00-1.30 बजे बादल फटने से पिंडर और प्रणमति नदियां उफान पर आ गईं। कई वाहन और दो घर मलबे में दब गए, और दो लोग लापता हो गए। स्थानीय प्रशासन ने राहत कार्य शुरू किए, लेकिन सड़कों के क्षतिग्रस्त होने से बचाव कार्यों में बाधा आई। किश्तवाड़, जम्मू-कश्मीर (14 अगस्त 2025) मचैल माता यात्रा मार्ग पर चसोती गांव में बादल फटने से कम से कम 60 लोगों की मृत्यु हुई, और सैकड़ों लोग लापता हैं। इस आपदा ने अस्थायी बाजार, सामुदायिक रसोई, और सरकारी इमारतों को नष्ट कर दिया। स्थानीय प्रशासन ने कंट्रोल रूम और हेल्प डेस्क स्थापित किए, लेकिन राहत कार्यों में भारी बारिश ने बाधा डाली। कठुआ, जम्मू-कश्मीर (17 अगस्त 2025) कठुआ के जंगलोट इलाके में बादल फटने से चार लोगों की मृत्यु हुई और रेलवे ट्रैक, नेशनल हाईवे, और स्थानीय थाना प्रभावित हुआ। इस आपदा ने स्थानीय परिवहन और संचार व्यवस्था को ठप कर दिया। पौड़ी गढ़वाल (6 अगस्त 2025) पौड़ी जिले के कई गांवों में भारी बारिश और भूस्खलन ने सड़कों और घरों को नष्ट कर दिया। कई लोग लापता हो गए, और राहत कार्यों में देरी के कारण स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया।

आपदा प्रबंधन की चुनौतियांः हिमालयी क्षेत्र में बार-बार होने वाली आपदाओं ने आपदा प्रबंधन तंत्र की कमियों को उजागर किया है। सीमित संसाधन, अपर्याप्त बुनियादी ढांचा, और दूरदराज के क्षेत्रों में पहुंच की कमी ने राहत कार्यों को जटिल बना दिया है।उदाहरण के लिए, धराली और किश्तवाड़ में मलबे के कारण सड़कें बंद हो गईं, जिससे बचाव दल समय पर प्रभावित क्षेत्रों तक नहीं पहुंच सके। इसके अलावा, मौसम की सटीक भविष्यवाणी के लिए उन्नत तकनीक की कमी एक बड़ी चुनौती है। स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, लेकिन ये अपर्याप्त हैं। किश्तवाड़ में स्थापित कंट्रोल रूम और हेल्प डेस्क ने त्वरित कार्रवाई में मदद की, लेकिन ऐसी व्यवस्थाएं सभी प्रभावित क्षेत्रों में उपलब्ध नहीं हैं। हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए वैज्ञानिक और नीतिगत उपायों की आवश्यकता है। मौसम पूर्वानुमान रडारों का विस्तार और डेटा संग्रह प्रणालियों को मजबूत करना आवश्यक है। जम्मू-कश्मीर के IMD निदेशक मुख्तार अहमद के अनुसार, उन्नत तकनीक जैसे डॉपलर रडार बादल फटने की संभावना को पहले से चेतावनी दे सकते हैं।

ISRO की सैटेलाइट तकनीक का उपयोग मलबे और नदी मार्ग परिवर्तन की निगरानी के लिए किया जा सकता है। अनियोजित निर्माण और जंगल कटाई पर रोक लगाने के लिए सख्त नियम लागू किए जाने चाहिए। हिमालयी क्षेत्र में निर्माण कार्यों के लिए भूगर्वीय और पर्यावरणीय प्रभाव आकलन अनिवार्य होना चाहिए। इसके अलावा, सड़क और जलविद्युत परियोजनाओं के डिजाइन में पर्यावरणीय स्थिरता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हिमालयी समुदायों को आपदा प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित करना और स्थानीय स्तर पर राहत केंद्र स्थापित करना आवश्यक है। स्कूलों और सामुदायिक केंद्रों में आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए। किश्तवाड़ में स्थापित कंट्रोल रूम और हेल्प डेस्क इसका एक उदाहरण हैं। ग्लोबल वार्मिंग को कम करने के लिए वैश्विक और स्थानीय स्तर पर कार्बन उत्सर्जन को कम करने की आवश्यकता है। हिमनद झीलों के प्रबंधन के लिए विशेष योजनाएं बनाई जानी चाहिए, जैसे कि जल निकासी प्रणालियों का निर्माण और ग्लेशियर निगरानी। जंगलों को बचाने और पुनर्जनन के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कार्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए। मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए प्राकृतिक अवरोधक, जैसे कि वनस्पति और चट्टानों का उपयोग, बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

हिमालयी क्षेत्र में बादल फटने, त्वरित बाढ़ और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता जलवायु परिवर्तन और मानवीय हस्तक्षेप का परिणाम है। उत्तरकाशी, चमोली, और किश्तवाड़ जैसी हाल की घटनाएं इस क्षेत्र के निवासियों के समक्ष अस्तित्व के संकट को दर्शाती हैं। वैज्ञानिक शोध, उन्नत तकनीक, और सतत विकास नीतियों के माध्यम से इन आपदाओं के प्रभाव को कम किया जा सकता है। नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों, और समुदायों को एकजुट होकर इस चुनौती का सामना करना होगा ताकि हिमालयी क्षेत्र की जैव-विविधता और जनजीवन को सुरक्षित रखा जा सके। सरकार को तत्काल कार्रवाई करनी होगी, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोका जा सके और हिमालयवासियों का जीवन सुरक्षित हो सके।

साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

वीरांगना रानी की जयंती का आयोजन, मंत्री प्रहलाद पटेल बोले-

प्रेरणा देता है वीरांगना रानी अवंति बाई का जीवन

शिक्षित होकर कर्मठ और ओजस्वी बनें बेटियां

सागर। दोपहर मेट्रो

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा है कि सभी बेटियों को वीरांगना रानी अवंतिबाई के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देनी चाहिए। उन्होंने कहा आज से लगभग 200 वर्ष पूर्व रानी अवंतिबाई का जन्म हुआ था। वे मात्र 28 वर्ष की अल्पायु में देश की स्वतंत्रता के लिए अंग्रेजों से संघर्ष करते हुए शहीद हो गईं। उस समय देश में अच्छी परिस्थितियां नहीं थीं, इसके बावजूद उन्होंने अंग्रेजों से डटकर मुकाबला किया। हर परिवार को अपनी बेटियों को रानी के समान कर्मठ और ओजस्वी बनाना चाहिए।

श्री पटेल सागर जिले के देवरी में रानी अवंतिबाई के 194 वे जन्म जयंति कार्यक्रम के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें एकजुट होकर सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध लड़ना चाहिए। उन्होंन कहा कि नशे के विरुद्ध मैंने जीवन भर संघर्ष किया । नशे जैसी सामाजिक बुराईयों के प्रति हमें मिलकर और एकजुट होकर संघर्ष करना चाहिए। इस अवसर पर राहुल सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में श्रम करने के साथ साथ अच्छी शिक्षा भी ग्रहण करनी होगी। उन्होंने कहा कि अब जमीनें नहीं हैं, वो अब विभाजित हो चुकी हैं। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि ग्रामीण युवा खेती के साथ साथ शिक्षा पर भी ध्यान दें। विधायक ब्रजबिहारी पटेरिया ने कहा कि 1857 की क्रांति में वीरांगना रानी अवंतिबाई ने अंग्रेजों के विरुद्ध निरंतर संघर्ष किया। वीरांगना रानी नारी शक्ति हैं, हम उनके विचारों पर चलें यह आज की आवश्यकता है। बंडा विधायक वीरेन्द्र सिह लोधी ने कहा कि समाज में शराब, मृत्युभोज जैसी कुरीतियों को पूर्णतः समाप्त करने की आवश्यकता है। इसके लिए समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि पूरे बुन्देलखंड का गौरवशाली इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि 1842 में बुंदेलखंड में स्वतंत्रता संग्राम की क्रांति हुई थी जिसकी बहुत कम लोगों को जानकारी है। हमारा समाज लोगों को जीवन देने का काम करता है। समारोह में बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

दादा गुरु का सिवनी मालवा में आगमन

लोगों को मिला महायोगी दादा गुरुजी का सानिध्य

सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो

माँ नर्मदा के परम् भक्त दादा गुरु जीं का सिवनी मालवा में आगमन हुआ। वे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व जिला सहकारी बैंक समिति अध्यक्ष योगेंद्र सिंह मंडलोई के निवास पर पहुंचे जहाँ उनका स्वागत किया गया। दादा गुरु अपने तप और साधना के लिए जाने जाते हैं। वे पिछले कई वर्षों से निराहार रहकर केवल माँ नर्मदा का जल ग्रहण करते हैं, और इसी के बल पर निरंतर परिक्रमा कर लोगों को आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। उनके तप को देखकर विज्ञान से जुड़े लोग भी उनके जीवन पर शोध कर रहे हैं। श्री मंडलोई के निवास पर आयोजित भक्ति कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नेता और श्रद्धालु मौजूद थे। इनमें संतोष पारीक, रघुवीर राजपूत, नगर मंडल अध्यक्ष नीरज तिवारी, अतुल बकोरिया, तुषार लोवंशी, विक्रम रघुवंशी, मयंक राठौर, रामचंद्र लोवंशी, राजेश बथव, अनिल गौर, मनीष गौर, माखन लोवंशी, और शिव राठौर आदि शामिल हैं। सभी भक्तों ने पुष्पवर्षा कर और माल्यार्पण कर गुरुजी का स्वागत किया। इस दौरान गुरुजी ने सभी को अपना सानिध्य प्रदान किया और आशीर्वाद दिया। लोगों मेंभावना थी कि यह सिर्फ एक संत का आगमन नहीं, बल्कि माँ नर्मदा का ही आशीर्वाद है। उनके आगमन ने क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना को मजबूत किया है।

नई बड़ी रेल लाइन परियोजना में ब्रिज लॉन्चिंग

आज रात चार घंटे तक बंद रहेगा राजस्थान से जोड़ने वाला हाइ-वे

राजगढ़ । दोपहर मेट्रो

ब्यावरा-राजगढ़ नेशनल हाईवे -52 आज यानी 25 - 26 अगस्त की दरमियानी रात बंद रहेगा। एमपी को राजस्थान से सीधे जोड़ने वाले इस हाईवे को पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा रामगंजमंडी - भोपाल , नई बड़ी रेल लाइन परियोजना में ब्रिज लॉन्चिंग के कारण बंद किया जा रहा है। ब्यावरा-राजगढ़ हाईवे बंद किए जाने के कारण राजस्थान जाने के लिए वाहन चालकों को बदले हुए रास्ते का इस्तेमाल करना होगा।

रामगंजमंडी- भोपाल रेल लाइन परियोजना में ब्यावरा शहर में ब्रिज लॉन्चिंग का काम किया जाएगा। 25-26 अगस्त की रात 12 बजे से सुबह 4 बजे तक यह कार्य किया जाएगा। इस दौरान ब्यावरा में नेशनल हाईवे-52 ब्यावरा-राजगढ़ हाईवे बंद कर दिया जाएगा। रेलवे द्वारा जारी की गई जानकारी के अनुसार मुख्य हाईवे पर ट्रैफिक पर पाबंदी लगा दी जाएगी। ऐसे में वाहन चालक सीधे राजगढ़ और फिर राजस्थान नहीं जा सकेंगे। राजस्थान की राजधानी जयपुर के साथ ही अन्य प्रमुख शहरों जोधपुर, सवाई माधोपुर, अजमेर और कोटा के लिए वाहन चालकों को डायवर्ट रूट से जाना पड़ेगा। ब्यावरा यातायात थाना प्रभारी देवनारायण पांडे ने बताया कि रेलवे के काम के करीब 4 घंटों के दौरान हाईवे से बस, भारी वाहनों पर पूरी तरह रोक रहेगी। हालांकि इसका असर यूपी और दिल्ली जाने वाले वाहनों पर नहीं पड़ेगा। वे अपना सफर सामान्य तौर पर कर सकेंगे।

ब्रम्हकुमारी दादी प्रकाशमणि की याद में आयोजित रक्तदान शिविर

विदिशा। दोपहर मेट्रो

ब्रह्माकुमारी बालाजीपुरम सेवा केंद्र द्वारा ब्रह्माकुमारी सपना बहन के सानिध्य में विदिशा में रक्तदान का आयोजन किया गया। यह दादी प्रकाशमणि जी की 18वीं पुण्यतिथि का अवसर था जिसे विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर बताया गया कि दादी ने विश्व शांति के पैगाम की नींव रखी और चार दशक की अथक सेवाओं में अध्यात्म और राजयोग के संदेश को भारत ही नहीं विश्व के 140 देश में पहुंचा दिया। नारी शक्ति में आध्यात्म की ऐसी अलख जगाई की 40 हजार बाल ब्रह्माकुमारियों की रूहानी सेना तैयार कर दी। कुमारो के प्रति विशेष प्रेम स्नेह के चलते आपको कुमारका दादी भी कहते हैं। सपना बहन ने कहा कि ऐसी ममता मई दादी जी की याद में हम सबको भी जुड़ने का मौका मिला है। गुप्त दान महादान वर्ल्ड रिकॉर्ड बनने जा रहा है। दादी को संयुक्त राष्ट्र संघ ने सन 1987 में एक अंतरराष्ट्रीय तथा पांच राष्ट्रीय स्तर के शांति दूत पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया है। ऐसी दादी के स्मृति में सेवाकेंद्र पर रक्तदान किया गया एवं श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष गीता रघुवंशी थे। इसके अलावा नगर पालिका अध्यक्ष प्रीति राकेश शर्मा, भाजपा नेता मनोज कटारे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर प्रशांत चौबे, वरिष्ठ समाजसेवी अतुल शाह, गोविंद देवलीया, जीएस चौहान, लायंस क्लब अध्यक्ष शाश्वत शर्मा, लायन राजकुमार सर्राफ अरुण सोनी , लायन अमोल अग्रवाल , क्लब के सभी मेंबर, बीके चमन लाल, एचडीएफसी बैंक के मैनेजर श्रीनाथजी आदि उपस्थित थे।

इटारसी में रेल कर्मचारियों का अनोखा प्रयास

इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं में दिखेगी देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण की झलक

पुनीत मालवीया। इटारसी

गणेश उत्सव के अवसर पर इटारसी के रेलकर्मी इस वर्ष भी इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। इस पहल में पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ देशभक्ति और मेड इन इंडिया की झलक देखने को मिलेगी।

चीफ यार्ड मास्टर विनोद चौधरी, जो पिछले दस वर्षों से स्वच्छ पर्यावरण को लेकर सक्रिय हैं, ने अपने सहयोगी रेलकर्मियों और परिवारजनों के साथ मिलकर इस बार ऑपरेशन सिंदूर और मेड इन इंडिया थीम पर आधारित प्रतिमाओं का निर्माण किया है। प्रतिमाओं में मिट्टी से बने श्री गणेश के एक हाथ में सिंदूर की डिब्बी और दूसरे हाथ की चुटकी में सिंदूर है। जिस गोल पट्टे पर भगवान गणेश विराजमान हैं, उस पर पाकिस्तान का नक्शा अंकित है, जहाँ भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया था। प्रतिमाओं के आधार पर मेड इन इंडिया का स्लोगन और रामचरितमानस की पंक्तियाँ भी अंकित की गई हैं। इस अभियान के तहत इस वर्ष लगभग सवा सौ प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं, जिन्हें निशुल्क वितरित किया जाएगा। इस कार्य में रेल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, उनकी पत्नियाँ और बच्चे भी सहयोग कर रहे हैं। प्रतिमा निर्माण में सहयोग देने वालों में डिप्टी एसएस विनोद कुशवाह, दिलीप यादव, गोपाल कुशवाह, आनंद तिवारी, ऋषिराज तिवारी, श्रीमती अर्चना चौधरी, सोनाली, अंजलि तिवारी, रचना तिवारी, अनुष्का चौधरी और आयुष चौधरी का विशेष योगदान रहा।

डेढ़ लाख की अवैध अंग्रेजी शराब जब्त

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध शराब का कारोबार जारी है। अवैध कारोबारियों की धरपकड़ में पुलिस जुटी है। पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम धंसरा के एक खलिहान में सफेद रंग की स्कार्पियो कार क्रमांक एमपी 04 टीए 2957 खड़ी है, जिसमें अवैध शराब रखी गई है। सूचना पर थाना प्रभारी आगासौद नितिन पाल के नेतृत्व में टीम गठित कर तत्काल मौके पर दबिश दी गई। तलाशी के दौरान कार से अलग-अलग ब्रांड की 153 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब (17 पेटियाँ) बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 1,50,660 रु . है। मौके पर आरोपी न मिलने से कार एवं शराब को धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत जप्त कर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

गणेशोत्सव: भक्ति के पर्व में सभी सहयोग करें -उमाकांत

सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन की सौंपी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

हर साल की तरह इस बार भी श्री गणेश उत्सव समिति गणेश की अथाई द्वारा ग्यारह दिवसीय गणेश जन्मोत्सव समारोह उत्साहपूर्वक मनाया जावेगा। इसकी व्यापक तैयारी हेतु समिति सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें प्रतिदिन यहाँ आयोजित होने वाले सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों के संबंध में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ प्रदान की गई।

बैठक में उपस्थित मंदिर के प्रधान पुजारी पं. नलिनीकांत शर्मा ने कहा कि यह नगर का सबसे प्राचीन गणेश मंदिर है। यहाँ पिछले कई बर्षों से श्री गणेश जन्मोत्सव समारोह धूमधाम से मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा एवं नई पीढ़ी को संगठित करने हेतु सनातन धर्म से युक्त शिक्षा एवं धार्मिक संस्कार देना बहुत जरूरी है।

इस अवसर पर बैठक को संबोधित करते हुए समिति सदस्य एवं क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि गणेश जी के अनन्य भक्त लक्ष्मीकांत जी इस उत्सव को भव्यता और दिव्यता प्रदान कर गये हैं। यह उत्सव सम्पूर्ण नगर एवं तहसील का उत्सव है इसलिए समस्त नगरवासियों के सहयोग से परंपरानुसार एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के अनुरूप सम्पन्न होने वाला यह उत्सव समयानुसार भव्य एवं दिव्य होता चला जा रहा है। यह भक्ति का भाव है और भक्ति हमारे ह्रदय से जागृत होती है, इसलिए हम सब तन-मन-धन से सहयोग करके इस उत्सव को सफल बनाएं । इस अवसर पर बैठक में समिति अध्यक्ष कृष्ण विहारी पांडे, वरिष्ठ सदस्य ओमप्रकाश दुवे एवं रमेश यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन शिवकुमार मिश्रा ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समिति सदस्य एवं नगर के धर्मप्रेमी बंधु उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर

शहर के लोगों के साथ अफसर और संस्थाओं ने लिया मैराथन में हिस्सा

स्वस्थ जीवन और नशामुक्ति के संदेश के साथ विदिशा ने लगाई दौड़

विदिशा। दोपहर मेट्रो

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत समाज के सभी आयु वर्गों के लोगों ,खासकर युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया था। शुभारंभ कलेक्टर अंशुल गुप्ता एवं एसपी रोहित काशवानी ने हरी झंडी दिखाकर किया। बाद में कलेक्टर एसपी भी दौड़ में शामिल हुए। मैराथन में विदिशा जिले के साथ साथ अन्य जिलों के धावकों ने आन लाइन पंजीयन कर भाग लिया। प्रतिभागियों को नशा छोड़ो - जीवन संवारो, स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन और नशा मुक्त समाज उज्जवल भविष्य की शपथ भी दिलाई गई। मैराथन का मुख्य उद्देश्य जन-जन तक यह संदेश पहुंचाना था कि नशा जीवन को बर्बादी की ओर ले जाता है, जबकि स्वास्थ्य और खेलकूद से जीवन में ऊर्जा, आत्मविश्वास और प्रगति मिलती है। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पूर्व घोषित नगद राशि तथा प्रशस्ति-पत्र एवं मेडल प्रदान किए गए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, अतिरिक्त एसपी प्रशांत चैबे, जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया समेत अधिकारियों - कर्मचारियों के साथ साथ स्वंयसेवी संस्थानों की भी सहभागिता रही।

बुजुर्गों और बच्चों ने भी दिखाया उत्साह

बुजुर्गों और बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर समाज को नशामुक्ति का सशक्त संदेश दिया। आयोजन स्थल जिला परिवहन कार्यालय था जहाँ परिसर में सुबह से ही माहौल उत्साहपूर्ण रहा। प्रतिभागियों में छोटे-छोटे बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हुए, जिन्होंने जोश और उमंग के साथ दौड़ पूरी कर यह साबित किया कि नशामुक्त जीवन की राह हर आयु वर्ग के लिए आवश्यक है।

धर्म और अध्यात्म से जोड़ने किया हनुमान चालीसा पाठ

गंजबासौदा। हिंदू चेतना सेवा समिति द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान एवं युवाओं को धर्म एवं अध्यात्म से जोड़ने हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत श्री हनुमान चालीसा पाठ का 91वां चरण शनिवार को नगर के श्री कुंज बिहारी मंदिर, कंचन कुंज कॉलोनी में सम्पन्न हुआ। आयोजन के दौरान भक्तों ने सामूहिक रूप से सात बार श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम स्थल पर श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिकता का वातावरण रहा। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष राकेश सिंह रघुवंशी ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नगर में धार्मिक चेतना का प्रसार करना तथा समाज को नशा मुक्ति और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ना है। प्रत्येक शनिवार नगर के विभिन्न मंदिरों में यह आयोजन निरंतर जारी रहेगा।

इसी गणेश प्रतिमा के गिरने से हुई थी युवक की मौत

मृतक शशांक जोशी

फाइल फोटो

शहरवासियों का गुस्सा चरम पर

जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर मुकदमा दर्ज करने की उठी आवाज

बुरहानपुर। दोपहर मेट्रो

बुरहानपुर में बदहाल सड़क पर गणेश प्रतिमा गिरने से हो गई थी खंडवा के युवक की मौत

जिले में सड़कों की बदहाली ने अब खौफ़नाक रूप ले लिया है। ताज़ा हादसे में खंडवा निवासी युवक शशांक जोशी की मौत के बाद अब लोगों का गुस्सा चरम पर है। कांग्रेस को भी सरकारी अमले को घेरने का मौका मिल गया है। सभी एक स्वर में नेताओं और अफसरों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शनिवार को गणेश प्रतिमा ले जाते हुए खारब सड़क की वजह से गिर गई थी। इसमें दबकर युवक की मौत हुई थी।

शहर के कांग्रेस नेता सिंह ठाकुर ने इसे सरकार की घोर लापरवाही से हुई 'सरकारी हत्या करार दिया है। उनका कहना है कि सांसद, विधायक और नगर निगम तीनों जगह भाजपा की तथाकथित ट्रिपल इंजन सरकार होने के बावजूद, बुरहानपुर और जिले की सड़कें मौत के कुएँ बन चुकी हैं। जनता रोज़ हादसों का शिकार हो रही है, लेकिन जिम्मेदार नेता और अधिकारी मूकदर्शक बने बैठे हैं।

उन्होंने मांग कि है कि हादसे के लिए जिम्मेदार तंत्र और दोषियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए और मृतक परिवार को तत्काल एक करोड़ का मुआवज़ा दिया जाए। साथ ही शहर की सड़कों को तुरंत सुधारा जाए। यदि सरकार और नगर निगम ने तुरंत कार्रवाई नहीं की तो हम जनता के साथ सड़कों पर उतरकर उग्र जनआंदोलन करेंगे। अब बुरहानपुर चुप नहीं बैठेगा। जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है। गलतियां अब बर्दाश्त नहीं होंगी। कांग्रेस नेता अजयसिंह रघुवंशी ने इसे प्रशासन और भाजपा नेताओं की घोर लापरवाही बताते हुए कहा - एक के बाद एक हादसे हो रहे हैं, पिछले दिनों बालिका की मौत के बाद अब एक और युवा काल के गाल में समा गया, लेकिन फिर भी इन भाजपाइयों को शर्म नहीं आ रही। सड़कों की बदहाली ने त्योहार का माहौल मातम में बदल दिया है। दो गणेश प्रतिमाएं खंडित होकर स्थापना से पहले ही विसर्जित करनी पड़ीं, और प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है।

कमजोर प्रशासन सिर्फ विधायक-सांसद के सत्कार में व्यस्त

रघुवंशी ने भाजपा नेताओं और प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जिले का कमजोर प्रशासन सिर्फ विधायक-सांसद के सत्कार में व्यस्त है। जनता की पीड़ा से इन्हें कोई मतलब नहीं। भाजपा नेताओं और ठेकेदारों की मिलीभगत से बनी सड़कें एक महीने भी नहीं टिक पाईं। इनके भ्रष्टाचार और लापरवाही की कीमत जनता मौत से चुका रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि - प्रशासन सड़क ठेकेदारों और संबंधित विभागीय अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने की बजाय उन्हें बचा रहा है। हमारी मांग है कि ठेकेदारों और अधिकारियों के साथ-साथ जिम्मेदार भाजपा नेताओं पर भी गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जाए। प्रतिमाओं की ऊँचाई को लेकर प्रशासन की अचानक सख्ती पर भी रघुवंशी ने सवाल उठाते हुए कहा कि पूरे साल गंभीरता नहीं दिखाई और अब त्योहारों से दो दिन पहले ही ऊँचाई का मुद्दा उठाकर त्योहार में विघ्न डालने की साजिश की जा रही है।

बरबतपुर रेलवे स्टेशन की घटना

दो दिन पहले शादी की फिर प्रेमी जोड़े ने ट्रेन के आगे कूदकर दे दी जान

बैतूल। दोपहर मेट्रो

जिले के बरबतपुर रेलवे स्टेशन पर प्रेमी जोड़े ने नागपुर-इटारसी डाउन ट्रैक पर ताप्ती एक्सप्रेस के सामने कूदकर जान दे दी। रेलवे ट्रैक पर शव मिलने की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बताया जा रहा है कि दोनों ने दो दिन पहले ही शादी की थी। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार हादसा देर रात करीब 2 बजे हुआ। शाहपुर टीआई मुकेश ठाकुर ने बताया मृतक की पहचान गौनापुर निवासी शिवकुमार परते (20) के रूप में हुई। वहीं युवती हरदा जिले के टिमरनी थाना क्षेत्र के बेरा गांव की रहने वाली थी। दोनों के बीच प्रेम प्रसंग था और दो दिन पहले दोनों घर से भाग गए थे। युवती के परिजनों ने टिमरनी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। दोनों ने इटारसी में शादी की थी और फिर गौनापुर लौट आए थे। शिवकुमार प्राइवेट नौकरी करता था। घटना वाली रात शिवकुमार की मां धार्मिक यात्रा से लौटीं थी। बेटे को युवती के साथ देख घर में विवाद हुआ था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि रात में युवती अचानक ताप्ती एक्सप्रेस के आगे कूद गई। उसे बचाने की कोशिश में शिवकुमार भी ट्रेन की चपेट में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे में दोनों के शव पटरी पर करीब 100 मीटर तक बिखर गए। हादसे की जानकारी मिलते ही शाहपुर थाना पुलिस और रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। शवों की शिनाख्त परिजनों की मौजूदगी में कराई गई और पोस्टमार्टम के लिए शाहपुर अस्पताल भेजा गया। पुलिस का कहना है कि यह प्रेम प्रसंग से जुड़ी आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है, लेकिन हर एंगल से जांच की जा रही है।

पर्यूषण पर्व के पांचवें दिन प्रभु महावीर का जन्मवाचन, पालनाजी का जुलूस निकला

मंदसौर। दोपहर मेट्रो

जिले में नई आबादी स्थित श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ श्वेताम्बर जैन मंदिर (श्री आराधना भवन) में पर्युषण महापर्व के पंचम दिवस प्रभु महावीर का जन्मवाचन महोत्सव मनाया गया। यहां चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी शीलरेखाजी म.सा. आदि ठाणा 9 ने कल्पसूत्र में वर्णित भगवान महावीर स्वामी का जन्म वृतान्त श्रवण कराया। त्रिशलानंनदन वीर की जय बोलो महावीर के जयकारों से मंदिर गुंज उठा। आराधना भवन मंदिर के हाल में उपस्थित सैकड़ों श्रावक श्राविकाओं ने जन्मवाचन होते ही अक्षत उछाले और एक दूसरे को जन्मोत्सव की बधाई दी।

साध्वी शीलरेखाजी ने महावीर स्वामी का जन्म वृतान्त सुनाया

पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व के पंचम दिवस आराधना भवन मंदिर में प्रातः काल भगवान महावीर की माता त्रिशला के स्वप्न में आई 14 चीजों (सपनाजी) की बोलियां लगाई गई। इसके बाद मंदिर की वार्षिक बोलियां भी लगाई गई। इन दोनों प्रकार की बोली का धर्मलाभ परिवारों ने प्राप्त किया। इसके बाद साध्वी शीलरेखाजी म.सा. ने कल्पसूत्र में 24 तीर्थंकरों के गर्भ में रहने की अवधि और उसके बाद प्रभु महावीर के जन्म का वृतान्त श्रवण कराया। धमार्लुजनों ने पालना जी को झूला झूलाया, श्रीफल बदारे और एक दूसरे को बधाईयां दी। जन्मवाचन के बाद पालनाजी का जुलुस पालनाजी की बोली लेने वाले महेन्द्र सोहनलाल चौरड़िया परिवार के यहां पहुंचा। मार्ग में कई स्थानों पर धमार्लुजनों ने पालनाजी के सामने नृत्य किया और प्रभुजी के जन्मवाचन पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। इस जन्मवाचन महोत्सव में पालनाजी की बोली लेने का धर्मलाभ चिमनलालजी करणकुमार बोकड़िया जैन परिवार ने लिया। जन्मवाचन के पश्चात् श्रीसंघ की उपस्थिति में चौधरी कॉलोनी से पालनाजी का जुलूस निकाला गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुये।

सारंगपुर के कूपा गांव में किसान सम्मेलन, राज्यमंत्री टेटवाल बोले-

जैविक खेती को अपनाकर धरती मां को प्रदूषण से बचाएं

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

किसान जैविक खेती को अपनाकर धरती मां को प्रदूषण से बचाएं, स्वयं को आत्मनिर्भर बनाएं साथ ही समाज को स्वस्थ जीवन प्रदान करें। यह बात राज्यमंत्री गौतम टेटवाल ने राजगढ़ जिले में सारंगपुर के कूपा गांव में आयोजित किसान सम्मेलन में कही।

कार्यक्रम की शुरुआत में राज्यमंत्री गौतम टेटवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया। साथ ही कन्याओं का पूजन कर भारतीय संस्कृति और परंपरा का संदेश दिया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री ने किसानों से जैविक खेती को अपनाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि गौमाता का पालन करें और उनके मल-मूत्र से खाद तैयार कर खेतों की उर्वरकता बढ़ाएं। उन्होंने प्राकृतिक खेती से कम लागत में उत्तम गुणवत्ता का अन्न पैदा होने की बात कही। राज्यमंत्री ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की महत्वाकांक्षी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार गौपालन को बढ़ावा देने के लिए विशेष अनुदान दे रही है। महिला स्व-सहायता समूहों को गौपालन हेतु अतिरिक्त लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक बगिया मां के नाम योजना के तहत किसानों को फलों की बगिया लगाने पर ऋण के साथ अनुदान प्रदान किया जाएगा। ग्राम कूपा में आयोजित कार्यक्रम किसानों के लिए प्रेरणादायी साबित हुआ, जहां आत्मनिर्भर कृषि और प्राकृतिक खेती की दिशा में अच्छा संदेश दिया गया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष गिरिवर भंडारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष सतीश वैश्य,बालूसिंह,मंडल के अन्य पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

मृत्यु भोज की परंपरा को बंद कर सिर्फ श्रद्धांजलि सभा आयोजित करने का फैसला

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ब्लाक के अहिरवार समाज ने एक नई पहल की है। समाज के मुखियाओं ने मृत्यु भोज समाप्त करने का निर्णय लिया है। इसे एक कुरीति बताया है। ग्राम जामुनखेड़ा से बदलाव की शुरूआत हुई है। ज्ञात हो की ग्राम में प्रीतम अहिरवार की धर्मपत्नी का निधन हो गया था। समाज के पंच और मुखिया की सलाह से 13 वीं की जगह पर 5 दिन में श्रद्धांजलि सभा किया गया। कार्यक्रम में सभी ने तथागत गौतम बुद्ध, संत रविदास महाराज , परम डॉ भीमराव अंबेडकर एवं स्वर्गीय मुन्नी बाई अहिरवार के छाया चित्रों पर माल्यार्पण कर संत रविदास महाराज की आरती अरदास कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी डॉ जेपी अहिरवार ने अपने विचार रखते हुए कहां कि मृत्यु भोज एक विषम कुरीति है जिस पर हम सबको मिलकर प्रतिबंध लगाना चाहिए। तभी हमारे समाज में एक नई क्रांति जागेगी। बसपा के जिला अध्यक्ष गोवर्धन राज ने कहा कि समाज में फैली कुरीतियों पर विजय पाना समाज के हित में है। हमें महापुरुषों के बताए मार्ग अनुसार चलना चाहिए एवं कुरीतियों पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। अहिरवार एवं जाटव समाज के ब्लॉक अध्यक्ष उत्तम अहिरवार ने बताया कि यह जो जामुन खेड़ा में एक नई शुरुआत हुई है हम सर्व समाज के साथ मिलकर इस कार्य को आगे बढ़ाएंगे और कभी मृत्यु भोज का सेवन नहीं करेंगे। हल्के भाई अहिरवार शिक्षक ने बताया कि मेरी 13 वर्षों की त्याग एवं मेहनत आज सफल हो रही है। उन्होंने उपस्थित सभी समाज को मृत्यु भोज न करने की शपथ दिलाते हुए कहां कि अब समाज में अवश्य ही एक नई क्रांति आएगी एवं सारी कुरीतियों पर प्रतिबंध लगेगा।

एंबुलेंस पलटने के बाद आशा कार्यकर्ता ने कराई डिलीवरी

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

उज्जैन जिले की घट्टिया तहसील के ग्राम बिछड़ोद में गर्भवती महिला को एंबुलेंस से डिलीवरी के लिए ले जाया जा रहा था। इसी दौरान अचानक रास्ते में नीलगाय के आने से एंबुलेंस पलट गई। एंबुलेंस में झटका लगने के कारण गर्भवती महिला की मौके पर ही डिलीवरी हो गई।

दरअसल, 24 वर्षीय किरण को रात 11 बजे के आसपास प्रसव पीड़ा हुई। जिसके बाद एंबुलेंस से उसे घट्टिया स्वास्थ्य केंद्र ले जाते वक्त नजरपुर-बिछड़ोद के बीच गडरोली फंटा के पास अचानक नीलगाय आ गई। जिसके कारण अनियंत्रित होकर एंबुलेंस पलट गई। उस वक्त एंबुलेंस में गर्भवती महिला के साथ उसकी मां और आशा कार्यकर्ता भी मौजूद थीं। हादसे के बाद आशा कार्यकर्ता ने मौके पर ही प्रसव कराया।हादसे में गर्भवती महिला की मां घायल हुई। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद उज्जैन रेफर कर दिया गया। साथ ही मां और नवजात को भी चरक अस्पताल भेज दिया गया है। परिजनों ने बताया कि राहगीरों की मदद से मां और बच्चे को दूसरी गाड़ी से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां से डॉक्टरों ने उज्जैन अस्पताल भेज दिया।

जवाहर नवोदय विद्यालय के नवमी के छात्र ने लगाई फासी

अनूपपुर। जिले में अमरकंटक स्थित पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय के कक्षा 9वीं के छात्र ने रविवार को अपने कमरे में फांसी लगाकर की आत्महत्या कर ली। पुलिस जाच कर शव को अपने कब्जे में ले लिया है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। आज पंचनामा के बाद पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। जानकारी के अनुसार 15 वर्षीय कृत वर्मा पुत्र राम अवतार वर्मा निवासी वेंकट नगर कक्षा 9वीं में अध्ययनरत था। रविवार को विद्यालय के सभी बच्चे मैदान में खेल रहे थे। जब वे वापस अपने-अपने कमरों में लौटे तो देखा कि कृत वर्मा कमरे में फांसी से लटका हुआ है। बच्चों ने इसकी सूचना शिक्षकों को दी, इसके बाद बच्चे को फांसी के फंदे से उतारकर अमरकंटक के चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। फांसी लगाने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। थाना प्रभारी एलबी तिवारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का कोई कारण सामने नहीं आया है।

मेट्रो एंकर अजीतपुर खमरिया में श्रीमद्भागवत कथा का समापन, समाज को प्रेम और करुणा का संदेश

सुदामा के श्रापित चने और श्रीकृष्ण का दिव्य स्नेह... श्रोता हुए भावविभोर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

अजीतपुर खमरिया में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन भक्ति और भावनाओं के संगीतमय संगम के साथ हुआ। कथा के अंतिम दिवस पर कथा व्यास पंडित उमाशंकर शास्त्री ने सुदामा चरित्र का ऐसा भावपूर्ण वर्णन किया कि श्रोता भावविभोर हो उठे।

सुदामा के श्रापित चने और श्रीकृष्ण का दिव्य स्नेह। इस प्रसंग ने न केवल धार्मिक आस्था को गहराया बल्कि मित्रता, त्याग और आत्मीयता की परिभाषा को भी जीवंत कर दिया। शास्त्री जी ने कहा कि सुदामा ने स्वयं अभाव स्वीकार कर लिया लेकिन अपने परम मित्र को वो चने नहीं दिए जो उसके दुर्भाग्य का कारण बने। और यहीं से मित्रता की अमूल्य मिसाल स्थापित हुई।

कथा में रासलीला, मथुरा गमन, कंस वध, शिशुपाल वध और गीता के उपदेशों के माध्यम से समाज में प्रेम, शांति और सदाचार की आवश्यकता पर बल दिया गया। श्रोताओं को बताया गया कि हिंसा नहीं, प्रेम ही स्थायी परिवर्तन का मार्ग है। इस दौरान भजन गायकों की प्रस्तुति ने वातावरण को संगीतमय बना दिया। श्रद्धालु नृत्य करते हुए भक्ति रस में झूम उठे। बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने सहभागिता कर कथा का पुण्य लाभ प्राप्त किया। कथा व्यास उमाशंकर शास्त्री ने युवाओं को गीता के ज्ञान को जीवन में उतारने का संदेश देते हुए कहा कि इतिहास उन्हीं का स्मरण करता है, जो प्रेम और अच्छे कर्मों से समाज को दिशा देते हैं।

हाई वोल्टेज मैच के दिलचस्प आंकड़े, ना बुमराह ना अर्शदीप...

हार्दिक ने किया पाकिस्तान की नाक में दम, टी20 में बदल जाते हैं तेवर

नई दिल्ली , एजेंसी

एशिया कप 2025 में इंटरनेशनल क्रिकेट की दो चिरप्रतिद्वंद्वी टीम भारत और पाकिस्तान के मैच को भारतीय सरकार ने हरी झंडी दे दी है. अब 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में दोनों के बीच महामुकाबला देखने को मिलेगा।

वैसे दोनों देशों के बीच जितने भी हाई वोल्टेज मुकाबले हुए हैं, उनमें टी20 का एक दिलचस्प आंकड़ा सामने आया है। जो गेंदबाजों से जुड़ा हुआ है। जहां पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट ना तो जसप्रीत बुमराह ने लिए हैं और ना ही अर्शदीप सिंह ने... इस मामले में हार्दिक पंड्या अव्वल हैं। जिन्होंने पाकिस्तान के सामने खेलते हुए हर एक मैच में विकेट लिए है और भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई है।

भारत की ओर से हार्दिक पंड्या ने टी20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। वह इस लिस्ट में टॉप पर हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ कुल 7 मैच खेले हैं। पंड्या ने 2016 के एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच खेला था हार्दिक ने पाकिस्तान के खिलाफ 7 मैचों में 7.25 की इकोनॉमी के साथ सबसे ज्यादा 13

कैसा है हार्दिक का टी-20 रिकॉर्ड ?

मौजूदा समय में हार्दिक पंड्या टीम इंडिया सबसे अनुभवी ऑलराउंडर हैं। वह इस समय भारत के लिए टी20 इंटरनेशल में टॉप विकेट टेकर की लिस्ट में तीसरे स्थान पर आते हैं। हार्दिक ने अब-तक 114 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 8 ।20 की इकोनॉमी के साथ 94 विकेट झटके हैं। अर्शदीप ने सबसे ज्यादा 99 विकेट झटके हैं, चहल के 96 विकेट हैं।

अर्शदीप और बुमराह का रिकॉर्ड ?

टी20 क्रिकेट में भारतीय टीम के दो सबसे बड़े गेंदबाज अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह के भी पाकिस्तान के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड रहा है। अर्शदीप और बुमराह दोनों ही गेंदबाजों ने पाकिस्तान के सामने 4-4 मैच खेले हैं। जिसमें अर्शदीप ने 7.85 की इकोनॉमी के साथ 7 विकेट लिए हैं। जबकि, बुमराह ने 5.42 की इकोनॉमी के साथ 5 विकेट झटके हैं। दोनों गेंदबाजों ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत में अहम योगदान दिया था।

भोपाल में करीब 25 करोड़ की लागत से बनेगा स्पोर्ट्स साइंस और हाई-परफॉर्मेंस सेंटर

भोपाल। मध्यप्रदेश के बच्चों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए जल्द ही राजधानी भोपाल में अल्ट्रा-मॉर्डन तरीके से स्पोर्ट्स साइंस और हाई-परफॉर्मेंस सेंटर को करीब 25 करोड़ की लागत से तैयार किया जाएगा। जानकारी के अनुसार ये देश का ऐसा पहला हाईटेक मॉडल होगा। जहां खिलाड़ियों के एक ही सेंटर के अंदर नई तकनीक के आधार ट्रेनिंग मिलेगी। युवा कल्याण विभाग के द्वारा नाथू बरखेड़ा में हाइटेक सेंटर का निर्माण किया जा रहा है।

दरअसल, इस स्पोर्ट्स साइंस और हाई-परफॉर्मेंस सेंटर इसलिए तैयार किया जा रहा है। ताकि प्रतिभासाली खिलाड़ियों को तकनीकी खामी, अंडर प्रेशर या स्ट्रेस और चोटों पर काम किया जा सके। इसमें खान-पान से संबंधित पूरे शरीर की मॉनिटरिंग होगी। आने वाले समय में ये सेंटर भोपाल सहित मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इससे बच्चों के खेल में और अत्यधिक निखार आएगा और यह पता चल सकेगा कि बच्चे किस खेल में दिलचस्पी रखते हैं, साथ ही खेल क्षेत्र में उन्हें मजबूती प्रदान करेगा।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में सेन-सिंधू के सामने कड़ी चुनौती

पेरिस। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को सोमवार से यहां शुरू हो रही बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में पहले दौर में शीर्ष वरीय शि यू का सामना करना होगा जबकि पूर्व चैंपियन पी वी सिधू खराब प्रदर्शन से उबरकर कड़ी चुनौती पेश करने की कोशिश करेंगी। भारत के प्रमुख खिलाड़ियों के लिए यह साल मुश्किल रहा है। चोटों और खराब फॉर्म ने उनकी तैयारी में बाधा डाली है। एक साल पहले ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाले सेन अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद में फ्रांस की राजधानी में वापसी कर रहे हैं। अल्मोड़ा का यह 24 वर्षीय खिलाड़ी इसके बाद अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया और अगर उन्हें विश्व चैंपियनशिप में आगे बढ़ना है तो उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

रिटायरमेंट के बाद बोले चेतेश्वर पुजारा

सपना हुआ पूरा, कोई पछतावा नहीं रो-को संग बिताए पलों को किया याद

राजकोट, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने 24 अगस्त को इस खेल के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी। पुजारा ने रिटायरमेंट लेने के बाद आजतक से खास बातचीत की। 37 साल के पुजारा ने कहा कि संन्यास लेने का उन्हें कोई पछतावा नहीं। पुजारा का मानना है कि ये उनके लिए गर्व का पल है क्योंकि देश के लिए खेलने का सपना पूरा हुआ। पुजारा ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के साथ बिताए गए पलों को भी याद किया।

चेतेश्वर पुजारा ने कहा, इसके बारे में ज्यादा सोचा तो नहीं था, लेकिन पिछले एक हफ्ते से इस पर विचार कर रहा था। लगा कि ये सही समय है। आज जब ये फैसला लिया तो मेरे और मेरी फैमिली के लिए काफी प्राउड मोमेंट रहा। टीममेट्स, कोचों, सपोर्ट्स स्टाफ के सदस्यों को थैंक्यू कहना चाहूंगा। भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करना गौरव का क्षण रहा। बचपन में जब छोटा था तो सपना देखा था कि भारतीय टीम के लिए खेलना है। ये सपना पूरा हुआ और इतने सालों तक ये जर्सी पहनी।

हमने खेला यादगार क्रिकेट

चेतेश्वर पुजारा कहते हैं, हमने जो साथ में क्रिकेट खेला, वो काफी यादगार है। इस दौरान टीम का प्रदर्शन भी शानदार रहा। जो यंग खिलाड़ी आ रहे हैं, वो परफॉर्म कर रहे हैं। उम्मीद है कि फ्यूचर में भी युवा खिलाड़ी तीनों फॉर्मेट में प्रेशर को हैंडल कर पाएंगे। आईपीएल की वजह से व्हाइट बॉल क्रिकेट में काफी खिलाड़ी आ रहे हैं, वो टेस्ट में भी अच्छा कर रहे हैं। इसलिए फ्यूचर भी अच्छे हाथों में है। उम्मीद है कि भारतीय टीम का प्रदर्शन ऐसे ही बरकरार रहेगा। अश्विन, विराट, रोहित, अजिंक्य, शमी, भुवनेश्वर कुमार जैसे प्लेयर्स के साथ खेलने का मौका मिला। हमने अच्छा खेला ही, साथ ही कई यादगार पलों के भी गवाह रहे।

पुजारा ने बताया अपना बेस्ट क्रिकेटिंग मोमेंट

चेतेश्वर पुजारा ने आगे कहा, 2018-19 में भारतीय टीम ने जो ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीती, वो मेरे लिए काफी यादगार लम्हा रहा। उसके बाद 2021 में भी ऑस्ट्रेलियाई धरती पर टेस्ट सीरीज जीती। वो दोनों सीरीज मेरे दिल के काफी करीब रही। मैं एक-दूसरे की तुलना करने में ज्यादा विश्वास नहीं रखता। युवा टीम में काफी काबिलियत है। इंग्लैंड सीरीज में प्लेयर्स ने शानदार प्रदर्शन किया। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने अच्छी ओपनिंग साझेदारियां कीं। साई सुदर्शन नंबर-3 पर खेल रहे हैं। उन्होंने काबिलियत दर्शाया है और आगे भी वो नंबर-3 पर अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। चेतेश्वर पुजारा ने बताया, नंबर-4 पर शुभमन गिल ने बढ़िया प्रदर्शन किया। करुण नायर ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और उम्मीद है कि उन्हें आगे मौका मिलेगा। ऋषभ पंत नंबर-5 पर बैटिंग करते हैं और वो बढ़िया क्रिकेटर हैं। भारतीय टीम की बल्लेबाजी बहुत बढ़िया है और गेंदबाज भी योगदान दे रहे हैं। उम्मीद है कि ये प्लेयर्स भारतीय टीम आगे बरकरार रखेगी, फ्यचूर में भी ये खिलाड़ी मुकाबले एवं सीरीज जिताएंगे।

मेरा ये व्यक्तिगत फैसला: पुजारा

चेतेश्वर पुजारा ने अंत में कहा, ये मेरा पर्सनल कॉल है। मैंने फैसला किया कि युवा खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट में मौके मिलने चाहिए। पहले मैंने सोचा था कि ये रणजी सीजन खेलूंगा। लेकिन मुझे लगा कि यदि युवा खिलाड़ियों को चांस मिलता है तो वो देश के लिए खेलने के लिए तैयार हो सकते हैं। ये व्यक्तिगत निर्णय था। पिछले कुछ साल से मैं भारतीय टीम से बाहर रहा हूं, उसे लेकर बात नहीं करना चाहता। हमने काफी मुकाबले और सीरीज खेले, इसमें भारतीय टीम का जो प्रदर्शन रहा वो मेरे लिए काफी मायने रखता है। संन्यास लेने का पछतावा नहीं है। मेरे लिए ये प्राउड मोमेंट है। इतने साल तक मुझे भारत के लिए क्रिकेट खेलने का मौका मिला। 2009 और 2011 में इंजरी हुई, उससे उबरकर मैं क्रिकेट खेला।

उत्तराखंड की फ्लाइंग गर्ल भागीरथी बिष्ट ने हैदराबाद मैराथन में जीता गोल्ड

चमोली। हैदराबाद मैराथन दौड़ में उत्तराखंड के चमोली जिले की भागीरथी बिष्ट ने गोल्ड जीता। रविवार को भागीरथी बिष्ट ने 2 घंटे 51 मिनट में दौड़ पूरी करते हुए पहला स्थान अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्हें प्राइज मनी के तौर पर तीन लाख रुपये मिले। देवाल ब्लॉक के वाण गांव की रहने वाली भागीरथी बिष्ट ने नेशनल लेवल पर इस कामयाबी के साथ जनपद सहित पूरे राज्य का नाम रोशन किया है। मैराथन दौड़ में 23 वर्षीय भागीरथी की इस उपलब्धि पर देवाल क्षेत्र में खुशी का माहौल है। भागीरथी अपने पांच भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं। महज तीन वर्ष की आयु में भागीरथी के पिता की असमय मृत्यु हो गई थी, लेकिन इसके बावजूद भागीरथी ने हार नहीं मानी। भागीरथी ने संघर्ष और संसाधनों के आभाव के बीच ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर दौड़ना शुरू किया। भागीरथी ने पढ़ाई जारी रखते हुए भाई-बहनों के साथ मिलकर घर का सारा काम संभाला। भागीरथी अपने खेतों में हल भी खुद ही लगाया करती थीं। भागीरथी बिष्ट के कोच सुनील शर्मा हिमाचल के सिरमौर से हैं। कोच, भागीरथी की सफलता से बेहद खुश हैं। उन्होंने बताया, भागीरथी बिष्ट ने 42 किलोमीटर की दौड़ करीब 2 घंटे 51 मिनट में पूरी करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। इससे पहले, भागीरथी ईरान में भी 42 किलोमीटर मैराथन में हिस्सा ले चुकी हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

रिएलिटी शो बिग बॉस 19 की शुरुआत

अमल मलिक से गौरव खन्ना और कुनिका सदानंद की एंट्री

घर में चलाएंगे सरकार

रिएलिटी शो बिग बॉस 19 की शुरुआत हो गई। रविवार को ग्रैंड प्रीमियर हुआ और इसमें सभी 16 कंटेस्टेंट्स की झलक एक-एक दिखाई गई। 3 वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट्स की बाद में एंट्री होगी। इस सीजन में कुल 19 सदस्य होंगे। होस्ट सलमान खान ने सबसे पहली कंटेस्टेंट अशनूर कौर को बुलाया। वो साढ़े 4 साल से इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। वो टीवी और फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उनके बाद जीशान कादरी की एंट्री हुई। इनके अलावा कुनिका सदानंद, गौरव खन्ना, नगमा, आवेज और अमाल मलिक शामिल हुए। जानिए इस सीजन में कौन-कौन से घरवाले सरकार चलाएंगे।

अशनूर कौर- अशनूर कौर चाढ़े 4 साल की उम्र से काम कर रही हैं। वो टीवी और फिल्मों की दुनिया का हिस्सा रही हैं। उन्होंने झांसी की रानी से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। फिर ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा, पटियाला बेब्स और सुमन इंदौरी जैसे शोज का हिस्सा रही हैं। उन्होंने संजू और मनमर्जियां जैसी फिल्मों में भी काम किया है। उनकी उम्र 21 साल है।

जीशान कादरी- गैंग्स ऑफ वासेपुर लिखने वाले और फिल्म में डेफिनेट का किरदार निभाने वाले एक्टर-डायरेक्टर जीशान कादरी भी घर में कैद होने के लिए आए हैं। सलमान ने उनसे पूछा कि क्या वो घर के अंदर गैंग बनाएंगे? तो उन्होंने हंसते हुए कहा कि सब क्यूट हैं। इस पर सलमान ने उन्हें समझाया कि एक हफ्ते बाद उनकी हंसी गायब हो जाएगी।

तान्या मित्तल- घर में स्प्रिचुअल इन्फ्लुएंसर तान्या मित्तल आ रही हैं। उन्होंने सलमान खान से सवाल पूछा कि प्यार अधूरा क्यों रहता है? इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता। उनकी एक रील भी दिखाई गई कि उन्हें बकलावा खाने का मन किया तो तुरंत दुबई चली गईं। इसके अलावा वो घर के अंदर चांदी की बोतल और चांदी की थाली लेकर भी जाती हैं।

नगमा मिराजकर- नगमा मिराजकर सोशल मीडिया पर्सनैलिटी हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 7.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उनके रील खूब वायरल होते हैं। गौहर खान के पति जैद दरबार के भाई अवेज दरबार के साथ उनकी जोड़ी काफी वायरल है। उन्होंने उनके साथ इस शो में एंट्री की है।

नगमा, अवेज और सलमान- सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अवेज दरबार रील्स की दुनिया में काफी फेमस हैं। इंस्टाग्राम पर 30.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने सलमान के सामने स्टेज पर अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर खुलासा किया कि नगमा के साथ अभी रिश्ता पूरी तरह से नहीं जुड़ा है।

नेहल चुडासमा- नेहल ने मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत को रिप्रेजेंट किया है। वो कई ब्युटी पेजेंट में पार्टिसिपेट कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि वो सेवेज ब्युटी क्वीन में गिनी जाती हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वो फिट रहती हैं, इसलिए घर के अंदर फिटनेस वाले लड़कों के साथ रहना पसंद करेंगी।

अभिषेक बजाज- अभिषेक बजाज एक्टर हैं। वो स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 में नजर आ चुके हैं। उन्होंने चंडीगढ़ करे आशिकी में भी काम किया है।

गौरव खन्ना- अनुपमा के अनुज कपाड़िया यानी गौरव खन्ना ने शाहरुख खान की फिल्म मैं हूं ना गाने से शो में एंट्री की। सलमान खान ने कहा कि ग्रीन फ्लैग के ब्रांड एंबेसडर जब घर में जाएंगे तो सारे कलर के फ्लैग बाहर आएंगे। स्टेज पर अनुज ने बताया कि उन्हें कलर ब्लाइंडनेस है।

मेट्रो बाजार

टायर उद्योग में चालू वित्त वर्ष में 7-8 प्रतिशत वृद्धि की संभावना

नई दिल्ली। भारत के टायर उद्योग में चालू वित्त वर्ष के दौरान सात से आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, यह वृद्धि मुख्य रूप से रिप्लेसमेंट डिमांड यानी पुराने टायरों को बदलकर नए टायर खरीदने की बढ़ती मांग के कारण हो रही है। जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक (एमडी) अंशुमान सिंघानिया ने कहा कि भारतीय टायर उद्योग एक निर्यात आधारित विनिर्माण क्षेत्र बना हुआ है, जिसका निर्यात वित्त वर्ष वित्त वर्ष 2024-25 में 25,000 करोड़ रुपये से

अधिक हो गया।

सिंघानिया ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में टायर उद्योग में सात से आठ प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है क्योंकि लोग अपने पुराने टायर बदल रहे हैं, भले ही नई गाड़ियों में टायरों की मांग थोड़ी कम हो। अपोलो टायर्स के सीएफओ गौरव कुमार ने विश्लेषकों से कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में मांग में सुधार होगा, खासकर मानसून के बाद बुनियादी ढांचा और खनन क्षेत्रों में तेजी आने से। उन्होंने कहा, ÷कच्चे माल की स्थिति की बात करें तो हमें उम्मीद है कि दूसरी तिमाही में इसकी लागत मौजूदा स्तरों की तुलना में थोड़ी कम होगी। हालांकि, मौजूदा विनिमय दरों को लेकर कुछ अनिश्चितताओं बनी हुई है।

निर्यात को बढ़ावा देगी सरकार, सहायता योजना पर खर्च होंगे 25,000 करोड़

नई दिल्ली। केंद्र सरकार बजट में घोषित निर्यात संवर्धन मिशन के तहत वर्ष 2025 से 2031 तक के लिए निर्यातकों को लगभग 25,000 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान करने वाले उपायों पर विचार कर रही है। सूत्रों ने बताया, ''इस प्रोत्साहन का मुख्य उद्देश्य निर्यातकों को आसान और किफायती ऋण उपलब्ध कराना है।''वाणिज्य मंत्रालय ने यह प्रस्ताव वित्त मंत्रालय की व्यय वित्त समिति (ईएफसी)के पास भेजा है। यदि इन उपायों को मंजूरी मिल जाती है, तो ये भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी शुल्क से उत्पन्न होने वाली वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं से बचाने में मदद कर सकते हैं। ईएफसी से प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद वाणिज्य मंत्रालय केंद्रीय मंत्रिमंडल से संपर्क करेगा।

प्रस्तावित मिशन का उद्देश्य अगले छह वर्षों (वित्त वर्ष 2025-31) में व्यापक, समावेशी और टिकाऊ निर्यात वृद्धि को बढ़ावा देना है। इसके तहत पारंपरिक तरीकों से आगे जाकर उन प्रमुख बाधाओं को दूर करने के नए उपाय खोजे जाएंगे, जिनका सामना भारतीय निर्यातक खासकर एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) करते हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस मिशन को दो उप-योजनाओं के जरिए लागू करने का प्रस्ताव है जिसमें निर्यात प्रोत्साहन (10,000 करोड़ रुपये से अधिक) और निर्यात दिशा (14,500 करोड़ रुपये से अधिक) शामिल हैं। सरकार 'निर्यात प्रोत्साहन' योजना के तहत जिन मुख्य बातों पर विचार कर रही है, उनमें अगले छह वित्त वर्षों (2025-2031) के लिए 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का ब्याज समानीकरण समर्थन शामिल है।

एक्सीडेंट में घायल व्यक्ति ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मिसरोद इलाके में एक्सीडेंट में घायल हुए एक व्यक्ति ने इलाज के दौरान निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने इस मामले में टक्कर मारने वाले स्कूटर चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था। घायल की मौत के बाद आरोपी चालक पर धाराएं बढ़ा दी गई हैं। जानकारी के अनुसार निशापुरा में रहने वाले बद्रीप्रसाद (50) मिसरोद इलाके में आटा चक्की चलाते थे। बीती तीन अगस्त की रात करीब आठ बजे वह काम से अपने घर लौट रहे थे। मिसरोद स्थित शनि मंदिर के पास सड़क क्रास करते समय एक स्कूटर चालक ने उन्हें टक्कर मारकर घायल कर दिया था। राहगीरों ने बद्रीप्रसाद के पास के निजी अस्पताल पहुंचाया था, जहां से उन्हें दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बीती रात बद्री प्रसाद ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

स्कूटर सवार व्यक्ति को ऑटो चालक ने मारी टक्कर

भोपाल। श्यामला हिल्स इलाके में एक तेज रफ्तार ऑटो चालक ने स्कूटर सवार व्यक्ति को टक्कर मार दी, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई है। जानकारी के अनुसार हमीद बेग (55) तलैया इलाके में रहते हैं और कॉलेज में खाना बनाने का काम करते हैं। बीती तेईस अगस्त की रात करीब सवा दस बजे वह अपनी ड्यूटी से घर लौट रहे थे। प्रोफेसर कालोनी के पास एक तेज रफ्तार आटो चालक ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गए। इस हादसे में स्कूटर भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने टक्कर मारने वाले आटो चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

फाइल फोटो

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग घायल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

अयोध्या नगर इलाके में रांग साइड से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक के चालक ने स्कूटर सवार बुजुर्ग व्यक्ति को टक्कर मारकर घायल कर दिया। घायल बुजुर्ग को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार अनिल कुमार (62) सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं और मिनाल रेसीडेंसी में रहते हैं। बीती तेईस अगस्त की सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह अपनी स्कूटर लेकर मार्केट जाने के लिए निकले थे। इसी दौरान मोबाइल दुकान के पास सामने से रांग साइड आ रहे बाइक चालक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में अनिल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उनकी स्कूटर बुरी तरह से टूट गई। घायल अनिल कुमार को परिजनों ने इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया। होश में आने के बाद पुलिस ने अनिल के बयान लेने के बाद टक्कर मारने वाले बाइक चालक पर केस दर्ज कर लिया है।

बाइक की टक्कर से पैदल जा रहा युवक हुआ घायल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मिसरोद इलाके में बाइक की टक्कर से पैदल जा रहा एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार राकेश सिलावट (39) मूलत- नरसिंहपुर का रहने वाला है और फिलहाल समरधा मिसरोद में रहता है। बीती रात अगस्त की रात करीब साढ़े नौ बजे वह मंडीदीप से बस में बैठकर भोपाल आया था। राधापुरम मिसरोद में उतरने के बाद वह पैदल सर्विस रोड से पैदल जा रहा था, तभी चिनार कालोनी गेट के पास उसे एक बाइक चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। इलाज कराने के बाद वह परिवार के साथ अपने घर नरसिंहपुर चला गया था। वापस लौटने के बाद उसने थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई।

सुपारी देने वाले आरोपी की तलाश कर रही है पुलिस

पांच हजार की सुपारी लेकर लगाई थी गाड़ियों में आग, आरोपी गिरफ्तार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

तलैया थाना क्षेत्र स्थित गिन्नौरी इलाके में 22 दिन पूर्व सेंट्रो समेत अन्य गाड़ियों में आग लगाने की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। गिन्नौरी इलाके में रहने वाले एक युवक ने ही बाबई नर्मदापुरम के एक बदमाश को पांच हजार रुपए सुपारी देकर आग लगवाई थी। पुलिस ने आग लगाने वाले बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है जबकि सुपारी देने वाला आरोपी फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

पुलिस के मुताबिक ढेरपुरा कमला पार्क तलैया निवासी ओसामा अली (43) ने विगत तीन अगस्त को रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि किसी अज्ञात बदमाश ने गिन्नौरी ढलान संजीवनी अस्पताल की बाउंड्री के पास खड़ी गाड़ियों में आग लगाई है। पुलिस ने आगजनी का प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। विवेचना के दौरान घटनास्थल के आसपास मकानों व रास्तों पर लगे करीब 125 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। फुटेज से मिले सुराग के आधार पर मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया। विगत 24 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली कि संजीवनी अस्पताल के पास सेंट्रो कार समेत अन्य वाहनों में आग लगाने वाला संदिग्ध खानूगांव चौराहे के पास दुकान पर खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फुटेज में दिखे संदिग्ध व्यक्ति के हुलिए वाला शख्स मोटरसाइकिल लिए खड़ा मिला। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना नाम बादशाह खान (30) निवासी खानूगांव कोहेफिजा का होना बताया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी ने विगत दो अगस्त की रात गाड़ियों में आग लगाने कुबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी बादशाह खान को विधिवत रूप से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी मूलरूप से बाबई का रहने वाला है और थाना बाबई जिला नर्मदापुरम में उसके खिलाफ बलात्कार व नकबजनी के प्रकरण दर्ज हैं।

फाइल फोटो

करंट से हुई युवक की मौत, पड़ोसी पर केस दर्ज

बिलखिरिया इलाके में करंट लगने से हुई एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। मर्ग जांच के दौरान पता चला कि आरोपी ने अवैध रूप से बिजली का कनेक्शन दूसरे व्यक्ति को दिया था, जिसके तार से करंट लगने से युवक की मौत हुई थी। जानकारी के अनुसार राहुल बघेल पुत्र देवीलाल (23) मूलतः कर्नाटक का रहने वाला था। फिलहाल वह छावनी पठार बिलखिरिया में रहता था। बीती बीस अगस्त को वह यहां रहने वाले अजय गौड़ के घर के पीछे से निकल रहा था, तभी बिजली के तार से करंट लगने पर उसकी मौत हो गई थी। मर्ग जांच के दौरान पता चला कि अजय गौड़ ने अवैध रूप से बिजली का कनेक्शन दूसरे व्यक्ति को दिया था, जिसके तार से राहुल को करंट लगा था। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी अजय गौड़ के खिलाफ लापरवाही पूर्वक काम करने का मामला दर्ज कर लिया है।

पेड़ से टकराई बाइक, युवक की मौत

भोपाल। नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित ग्राम बहरावल के पास तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर पेड़ से जा टकराई। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम गनाखेड़ी थाना नजीराबाद निवासी सुनील अहिरवार (22) विगत 18 अगस्त को मोटरसाइकिल से जा रहा था। उसी दौरान ग्राम बहरावल के पास उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में आई चोट के कारण उसे ग्रीन सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार को उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

केंद्रीय मुद्रणानालय के रीडर की शिकायत पर प्रकरण दर्ज

बर्खास्त कर्मचारी द्वारा फर्जी दस्तावेज लगाकर नौकरी हासिल करने का प्रयास, केस दर्ज

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

एमपी नगर पुलिस ने केंद्रीय मुद्रणानालय के रीडर की शिकायत पर बर्खाश्त कर्मचारी और उसकी सहयोगी पर धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि कर्मचारी को 2019 में किन्हीं कारणों के चलते बर्खास्त कर दिया गया था। दो साल बाद 2021 में कर्मचारी ने दोबारा नौकरी पाने का प्रयास किया और दस्तावेज प्रस्तुत किए थे।

दस्तावेज की जांच करने पर पता चला कि दस्तावेज नकली है। रीडर ने दस्तावेज की कॉपी के साथ पुलिस को शिकायती आवेदन दिया था। आवेदन जांच के बाद पुलिस ने बर्खाश्त कर्मचारी और उसकी परिचित महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार संतोष रैकवार, केंद्रीय मुद्रणानालय में रीडर के पद पर पदस्थ हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि केंद्रीय मुद्रणानालय में नौकरी करने वाले अमृत धोटे को बर्खाश्त कर दिया गया था। वर्ष 2021 में अमृत धोटे ने अपनी परिचित रेखा जैन की मदद से नाम परिवर्तन का गजट नोटिफिकेशन और दस्तावेज प्रस्तुत किए। दस्तावेज की जांच की गई तो पता चला कि दस्तावेज नकली है।

दुकानदार पर सुरक्षा में लापरवाही का मामला दर्ज

भोपाल। शाहपुरा पुलिस ने एक दुकानदार के खिलाफ सुरक्षा में लापरवाही का मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार राजा अहिरवार (30) ट्रांसपोर्ट नगर कोकता में रहता है और बावड़िया कला स्थित एक मार्बल दुकान पर काम करता है। बीती तेरह अगस्त को दोपहर के समय ग्रेनाइट लोड करते समय अचानक ग्रेनाइट फिसल गया और उसके सिर तथा चेहरे पर गंभीर चोट आई। उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजा से पूछताछ के दौरान पता चला दुकानदार ने काम के दौरान उसे सुरक्षा के उपकरण नहीं उपलब्ध कराए थे, जिसके कारण हादसे में उसे चोट लगी। इस पर पुलिस ने अभिषेक के खिलाफ सुरक्षा में लापरवाही का मामला दर्ज किया कर लिया है।

बैरसिया पुलिस की कार्रवाई, पुड़िया बनाकर बेच रहा था नशा

तस्कर से चार किलो गांजा जब्त

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बैरसिया पुलिस ने दशहरा मैदान के पास से एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर उसके पास से चार किलो दो सौ ग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत 1 लाख रुपए बताई जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि किसी दो अन्य व्यक्तियों की मदद से उसने गांजा खरीदा था और उसे पुड़िया बनाकर बेच रहा था। आरोपी पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट के मामले में गिरफ्तार हो चुका है।

पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि दशहरा मैदान पर एक युवक गांजे की पुड़िया बनाकर बेच रहा है। मुखबिर की सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस ने दशहरा मैदान पर घेराबंदी करते हुए संदिग्ध को हिरासत में लिया। उसकी पहचान नर्मदा प्रसाद उर्फ नब्बा सिलावट पिता मुंशीलाल सिलावट (47) वार्ड नंबर-13, सिलावटपुरा, बैरसिया के रूप में की गई। आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से चार किलो दो सौ ग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ शिकायत मिली थी कि वह गांजे की पुड़िया फुटकर में बेच रहा है। पुलिस को उसके पास मिले दो लोगों के कांटेक्ट के आधार पर जांच की जा रही है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बैरागढ़ थाना क्षेत्र स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के पास रहने वाले एक युवक ने फांसी लगा ली। उसकी लाश रविवार शाम करीब चार बजे फांसी के फंदे पर लटकी देख पुलिस को सूचना दी गई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार हीरो बालचंदानी (42) बैंक ऑफ बड़ौदा के पास बैरागढ़ में रहता था। उसकी शादी नहीं हुई है। वह अकेला रहता था। बताया जाता है कि करीब छह महीने से वह बेरोजगार था। रविवार शाम करीब चार बजे आसपास के लोगों ने उसकी लाश फांसी के फंदे पर लटकी देखी थी। पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

मेट्रो एंकर | आवेदन करने पोर्टल खोला जाएगा और मिलेगा 7 दिन का समय

मप्र उच्च न्यायालय से संस्कृत के दो हजार विद्यार्थियों को राहत

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश के संस्कृत विद्यालयों में परीक्षा में शामिल होने से वंचित होने वाले करीब दो हजार विद्यार्थियों को मप्र उच्च न्यायालय से राहत मिली है। इन विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए आवेदन करने पोर्टल खोला जाएगा और पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने के लिए उन्हें 7 दिन का समय प्रदान किया जाएगा।

दरअसल, हाईकोर्ट ने पूर्व आदेश की अवहेलना के मामले में महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान भोपाल के संचालक व असिस्टेंट डायरेक्टर को तलब किया था। संस्थान पर आरोप था कि कोर्ट के निर्देश के बावजूद संस्कृत के छात्रों को परीक्षा में शामिल नहीं किया था। अवमानना याचिका की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने छात्रों के हित में फैसला सुनाया। सुनवाई के दौरान पतंजलि संस्कृत संस्थान भोपाल के संचालक व असिस्टेंट डायरेक्टर ने कोर्ट में अभिवचन दिया कि संस्कृत विद्यालयों के जो विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होने से वंचित हुए हैं, उनके लिए विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी। ऐसे छात्रों की संख्या दो हजार से अधिक हैं।

फिर होगी परीक्षा

फाइल फोटो

जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने दोनों अधिकारियों के अधिकारियों के बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए 45 दिन के भीतर प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

यह है पूरा मामला

दरअसल, पुष्पांजली संस्कृत विद्यालय सिंगरौली व अन्य की ओर से ये अवमाना याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया था कि महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान भोपाल ने पूर्व में एक आदेश जारी कर यह शर्त रखी थी कि उनके संस्थान से संबंधित जिन विद्यालयों के छात्रों ने माशिमं या सीबीएससी से नौवीं या ग्यारहवीं परीक्षा उत्तीर्ण की है, उन्हें दसवीं और बारहवीं में परीक्षा में शामिल नहीं किया जाएगा। इस आदेश के खिलाफ पूर्व में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट ने 28 अप्रैल 2025 को संस्थान के आदेश को स्थगित कर दिया था। इसके बावजूद संस्थान ने याचिकाकर्ता विद्यालयों के करीब 22 सौ विद्यार्थियों को परीक्षा में शामिल नहीं किया, जिसके कारण उक्त अवमानना याचिका दायर की गई थी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022